राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,16 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-235 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में बीजेपी कार्यकर्ता के खिलाफ रेप केस की पीड़ित छात्रा आत्महत्या की कोशिश

रेप केस वापस लेने की धमकी मिल रही थी

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत के उधना में रहने वाला और कक्षा १२ में पढ़ने वाला एक छात्र प्रेम जाल में फंस गया है। इलाज के दौरान पीड़िता ने कहा कि पीड़िता का पीछा करते हुए उसके माता-पिता और भाई को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी. आरोपी फिलहाल बड़ी जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

पुलिस ने पीड़िता को धमकी दी कि वह उसके साथ कुछ न करे।पीड़िता ने कहा कि ज्ञान पाटिल नाम का एक युवक उस जगह आया जहां मैं १५ दिन पहले काम करता हूं और कहा, "मामला वापस ले लो। तुम विशाल को नहीं जानते। बाहर आओ। और अपने माता-पिता और भाई को बताओ।" मार डालेगा। तुम मेरे साथ हाई कोर्ट जाने की धमकी दे रहे थे कि मामला सुलझाओ। यह कहते हुए कि मैं पुलिस के पास जा रहा हूं, पुलिस का हमसे कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस क्या कर रही है? कमलेश पाटिल से बात करो। वह उक्त शराब के नशे में धुत्त होकर घर आया था, पाटिल ४ दिन से मेरा पीछा कर रहा था। घर के पास नशे का ऐसा दौर चल रहा था। जिसके डर से मैंने आत्महत्या करने की नीयत से दवा ली है। "मैं उसे पूरी रात उल्टी करते हुए देखकर चौंक गई," उसने कहा। फिर वह जमीन पर गिर पड़ा और बोला, "मैंने दवा ली है। आरोपी के ओर से धमकी मिल रही थी लेकिन किसी प्रकार की कोई न्याय की आशा संबंधित विभाग की ओर से न मिलने के कारणवश इस प्रकार की घटना का अंजाम दिया.

तुरंत १०८ को सूचना दी और उसे सिविल ले आए।"

जहां बेटी को एच-० में भर्ती कर इलाज शुरूकर दिया गया है।

घटना क्या थी?

कक्षा १२ वर्षीय छात्रा की १७ वर्षीय नेहा (बदला हुआ नाम) के क्षेत्र में रहने वाले आरोपी २१ वर्षीय विशाल उर्फ भूषण विजय पाटिल (गांधीकुटीर, उधना) से परिचय कराया गया. १ साल पहले। दोनों जब टहल रहे थे तो विशाल ने नेहा की अश्लील फोटो और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर बार-बार रेप किया। नेहा ने जब घर में इस बारे में बात की तो उसके परिवार वाले विशाल को इस बात के बारे में बताने गए। तभी विशाल का उससे झगड़ा भी हो गया था। उसने जातिसूचक शब्द बोलकर उसे बदनाम करने की धमकी भी दी और पैसे की मांग की। घबराकर नेहा ने विशाल को २०,००० रूपये दिए। विशाल द्वारा नेहा को परेशान करना जारी रखने के बाद भी पुलिस ने विशाल के खिलाफ रेप, मानहानि, पॉक्सो और आईटी एक्ट और अत्याचार अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज की और पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की. पुलिस द्वारा आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद कोर्ट ने आरोपी को कोर्ट रिमांड

विशाल पाटील दुष्कर्म करनार

शपथ ग्रहण टलने पर कांग्रेस ने ली चुटकी, कहा- चेहरा नहीं चरित्र बदले भाजपा

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात में बुधवार को होनेवाला भूपेन्द्र पटेल मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण कार्यक्रम गुरुवार पर टाल दिया गया है। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के टलने के लिए पूर्व मंत्रियों की नाराजगी की चर्चा के बीच कांग्रेस ने भाजपा को आडे हाथ लिया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने सौराष्ट्र में बाढ़ के गंभीर हालात का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्ता के भाजपा नेताओं के बीच खींचतान चल रही है। मनीष दोशी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के बीच चल रही खींचतान की वजह से आज होनेवाला शपथ ग्रहण कार्यक्रम रद्द हुआ है। भाजपा के अनुशासन पर सवाल उठाते हुए दोशी ने कहा कि कथित अनुशासित पार्टी में खुलेआम अनुशासन के चीथड़े उडाए जा रहे हैं।

पंकज जोशी मुख्यमंत्री के नए एसीएस और अवंतिका सिंह सीएमओ की सचिव

क्रांति समय दैनिक समाचार

गुजरात में भूपेन्द्र पटेल ने मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के तीसरे दिन अपनी टीम में चार नए आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति की है। भूपेन्द्र पटेल ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज जोशी को राज्य का नया अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया है। पंकज जोशी को गुजरात के आईएएस अधिकारियों में सबसे शिक्षित और टेक्नोकेट अधिकारी माना जाता है। एम मनोजकुमार दास के स्थान पर पंकज जोशी की नियुक्ति की गई है। सीएमओ के सचिव अश्विनीकुमार के स्थान पर अवंतिका सिंह को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा सीएमओ में स्पेशल ऑफीसर के तौर पर एमडी मोडिया और एनएन दवे को भी नियुक्तकिया है।

युवक पर एसिड अटैक करने वाला दंपत्ति

प्रेम संबंधों की आशंका में हमला

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत शहर की गोडादरा पुलिस ने युवक पर एसिड अटैक करने वाले दंपत्ति को गिरफ्तार कर लिया है। प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है कि प्रेम संबंधों की आशंका में युवक पर एसिड फैंका गया। जानकारी के मुताबिक सूरत के गोडादरा क्षेत्र में रहनेवाला भावेश मेवाड नामक युवक राज एम्पायर में कपड़े की दुकान चलाता है। कुछ समय पहले प्रीन्स साहू नामक युवक भावेश की दुकान में कपड़े देने आया था। उसके बाद भावेश और प्रीन्स में दोस्ती हो गई और प्रीन्स की भावेश की दुकान में बैठक हो गई। उस दौरान प्रीन्स का भावेश की पत्नी पूजा से परिचय हुआ और दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। जानकारी है कि पूजा घर जाने के बाद भी प्रीन्स से फोन पर बात करती रहती। जिससे पूजा के पति भावेश को शंका हुई कि उसकी पत्नी का प्रीन्स के साथ प्रेम संबंध है। भावेश की दुकान के आसपास के दुकानदारों की प्रीन्स और पूजा के प्रेम संबंधों की बातों ने आग में घी का काम किया और पति-पत्नी के बीच लड़ाई-झगड़े शुरू हो गए। हांलाकि पूजा ने प्रीन्स से प्रेम संबंध होने से इंकार कर दिया। लेकिन भावेश को यकीन नहीं हुआ। भावेश ने पूजा से कहा कि यदि प्रीन्स के साथ प्रेम संबंध नहीं है, उस पर एसिड फैंक दे। पूजा इसके लिए तैयार हो गई। बीते दिन दोपहर के वक्त प्रीन्स जैसे भावेश की दुकान पर पहुंचा,

वहां पहले झगड़ा और मारपीट हुई। बाद में अचानक पूजा और भावेश में प्रीन्स पर एसिड फैंक दिया। इस घटना में गंभीर रूप से झुलसे प्रीन्स को आसपास के लोगों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। गोडादरा पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरूकी है।

उधना के गुरुकुपा स्कुल

कोविड नियम का उल्लेखन कर इस तरह से किया जा रहे प्रोग्राम?

क्रांति समय दैनिक समाचार

सुरत, उधना क्षेत्र में सनग्रेस स्कुल में कोविड के केस आने के बाद सात दिन के लिये बंद किया गया फिर भी स्कुल के संचालक लगता है कोविड नियमों का पालन न करने की कसम खाई हैं, निजी स्वार्थ के लिये यह प्रकार की घटनाक्रम जो समय पर समीक्षाएँ न किया गया तो तीसरी लहर का आमंत्रण स्कुल प्रशासन कर रहा है

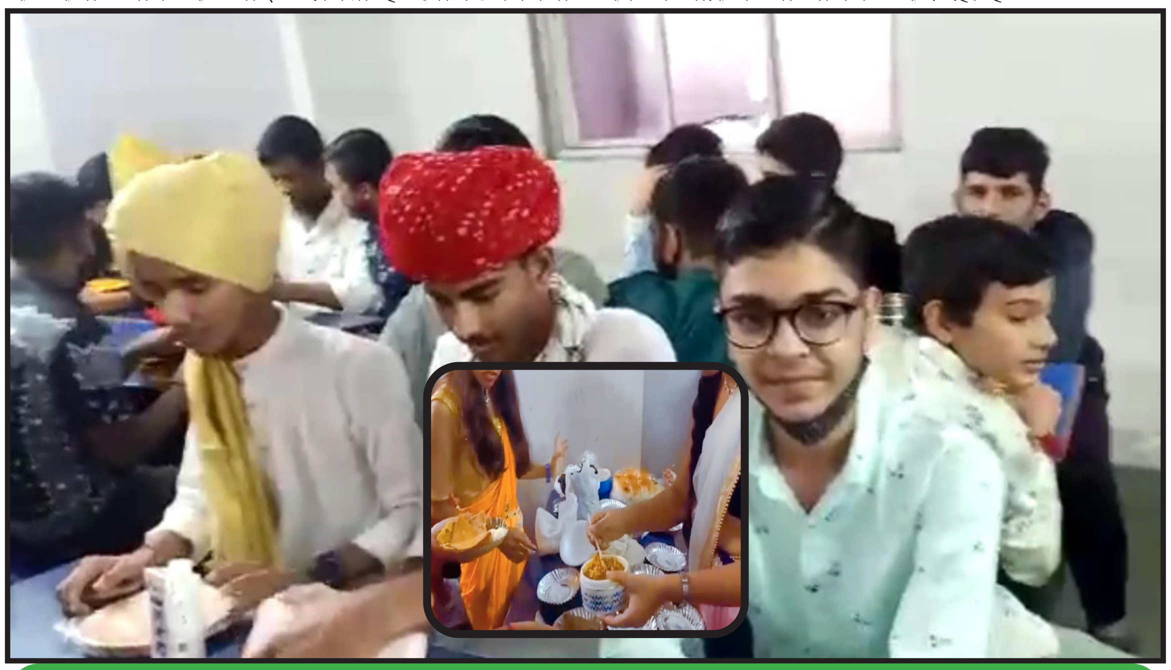

क्या प्रशासन किसी प्रकार की कार्यवाही करने के लिये समक्ष है या नही ?

बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने खेला गरबा

सूरत के एमटीबी कॉलेज में गणपति उत्सव में मास्क व सोशल डिस्टेंस नहीं

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वित्त मंत्री का साथ

देश के आईटी सेक्टर की प्रतिष्ठित कंपनी इन्फोसिस के पक्ष में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बयान की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कंपनी को 'राष्ट्र-विरोधी' बताने वाले पांचजन्य के आलेख को न सिर्फ अनुचित करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि सरकार व कंपनी, दोनों मिलकर काम कर रहे हैं और पूरी आशा है कि हमें बेहतर उत्पाद मिलेगा। गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी इस साप्ताहिक पत्रिका ने अपने मुख्य आलेख में पिछले दिनों जीएसटी व आयकर पोर्टलों में आई खामियों को 'देश की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने वाला' बताया था। अपने बेहद आक्रामक आलेख में इसने कंपनी पर 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का मददगार होने का आरोप भी मढ़ दिया था। हालांकि, आरएसएस ने फौरन इस लेख से खुद को अलग कर लिया था, बल्कि उसने तो पांचजन्य को अपना मुखपत्र भी नहीं माना। वित्त मंत्री का बयान आरएसएस के त्वरित स्पष्टीकरण के मुकाबले कुछ देरी से जरूर आया है, पर यह देश के औद्योगिक क्षेत्र के मनोबल के लिए बहुत जरूरी था। एक ऐसे वक्त में, जब अर्थव्यवस्था को उद्योगपतियों और औद्योगिक क्षेत्र के विशेष सहयोग की आवश्यकता है, ऐसा माहौल कतई नहीं बनने देना चाहिए, जिससे वे निराश हों या उनकी प्रतिबद्धता पर किसी तरह के संदेह की गुंजाइश बने। निस्संदेह, इन पोर्टलों की तकनीकी खामियों की आलोचना की जा सकती है कि इन्हें लॉन्च करने से पहले पूरी तरह दोषमुक्त क्यों नहीं किया जा सका? लेकिन तकनीकी दुनिया में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। उत्कृष्ट वैज्ञानिकों की वर्षों की मेहनत, अरबों की लागत किसी तकनीकी कमी की वजह से सेकंडों में बेकार हो जाती है, तो क्या हम वैज्ञानिकों की नीयत पर संदेह करेंगे? भारत को आगे बढ़ाने में देश के सभी क्षेत्रों, विचारधाराओं का अहम योगदान है और इस बारे में किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। वैसे भी, किसी भी सरकार या संगठन से मुख्तलिफ राय रखना, उसकी मुखर आलोचना करना लोकतंत्र की बुनियादी विशेषता है और देश की ऊंची अदालतों ने कई बार हिदायत दी है कि आलोचना की बुनियाद पर किसी के विरुद्ध देशद्रोह के मुकदमे दर्ज नहीं किए जा सकते। लेकिन तमाम सरकारों ने ऐसी लोकप्रिय अवधारणा खड़ी करने की कोशिश की कि उनकी आलोचना को राष्ट्रद्रोह के बराबर देखा जाए। इसके दुष्परिणाम अब खुलकर सामने आने लगे हैं। अभी तक राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध इस 'टैग' का इस्तेमाल होता था, पर यह घातक प्रवृत्ति अब औद्योगिक घरानों को चपेट में लेने लगी है। यह संजीदगी से सोचने का समय है। सरकार के स्तर पर भी और समाज के स्तर पर भी। यह प्रवृत्ति पहले माहौल विषाक्त करती है, फिर कायदे-कानूनों के दुरुपयोग का सिलसिला चल पड़ता है। ऐसे में, जिम्मेदार संस्थाओं से अपेक्षा की जाएगी कि इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए वे त्वरित कदम उठाएं, जैसा कि आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार प्रभारी सुनील आंबेकर ने किया। उन्होंने देश की उन्नति में न सिर्फ इन्फोसिस के योगदान को स्वीकारा, बल्कि लेख में व्यक्त विचारों से संघ को अलग कर लिया। आजादी की लड़ाई से लेकर दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में देश को खड़ा करने तक हमारे उद्योग जगत की देशभक्ति असंदिग्ध रही है, यह बात सबको याद रखनी चाहिए।

ओजोन परत संरक्षण के लिए अनिवार्य प्रकृति तादात्म्यता

(ओजोन दिवस16 सितम्बर पर विशेष/लेखक-राकेश कुमार वर्मा)

परमाणु विलय की प्रक्रिया द्वारा सूर्य अपने केंद्र से जो ऊर्जा उत्पन्न करता है उसका छोटा सा भाग ही पृथ्वी पर पहुँचता है। जिसमें से 15 प्रतिशत अंतरिक्ष में परावर्तित हो जाता है, 30 प्रतिशत पानी को भाप बनाने में काम आता है और बहुत सी ऊर्जा पेड़-पौधे समुद्र सोख लेते हैं। इसी प्रकाशीय ऊर्जा से प्रकाश-संश्लेषण नामक एक महत्वपूर्ण जैव-रासायनिक अभिक्रिया होती है जो पृथ्वी पर जीवन का आधार है। यह पृथ्वी के जलवायु और मौसम को नियंत्रित करता है। सूर्य से आने वाली अल्ट्रावायलेट किरणों की वजह से ओजोन परत का निर्माण होता है। हैं। पृथ्वी के वायुमंडल में ओजोन ही वह तत्व है जो कि अल्ट्रावायलेट किरणों को अवशोषित कर रहा है, अतएव यह हमारा सुरक्षा कवच है। प्रकृति से तादात्म्य के अभाव, कारखानों से निकलने वाले खतरनाक रसायन सहित हमारी अंधाधुंध शोषणकारी प्रवृत्तियों के चलते सुरक्षा कवच कही जाने वाली ओजोन परत आज खतरे में है, जिसके प्रति जागरुकता को लेकर प्रतिवर्ष 16 सितंबर को हम ओजोन दिवस मनाते हैं। पृथ्वी की सतह से करीब 30 किलोमीटर की ऊंचाई पर ओजोन गैस की एक पतली परत पाई जाती है, जिसे ओजोन लेयर कहते हैं। ओजोन परत एक रंगहीन गैस का स्तर है जो मुख्य रूप से पृथ्वी के समतापमंडल में पाई जाती है, जो सूर्य और धरती के बीच एक सुरक्षात्मक परत बनाती है और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित करती है। ओजोन लेयर के बिगड़ने से जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा मिलता है। जलवायु परिवर्तन से बढ़ते तापमान के कारण बढ़ी हुई पराबैगनी किरणें आर्कटिक क्षेत्र में मौजूद ग्लेशियर को तीव्र गति से पिघलने का कारक बनती हैं। परिणामत: समुद्री जलस्तर वृद्धि और समुद्र के प्रकाश क्षेत्र में कमी सहित त्वचा कैंसर, वनस्पति जगत क्षति जैसे दुष्परिणाम हमारे सामने हैं। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण वैज्ञानिक फरमान, गर्दिनेर और शंक्लिन द्वारा वर्ष 1985 में प्रकाशित ओजोन छिद्र की खोज हमारे लिए एक आघात थी। मानव निर्मित रासायनिक यौगिक, जिसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी) कहा जाता है, स्ट्रैटोस्फियर में ओजोन की सांद्रता में कमी का कारण बना था। इसके बाद साल 1987 में सीएफसी के उत्पादन और खपत की जांच के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को अपनाया गया, जिसके तहत प्रतिकूल रासायनिक यौगिक को प्रतिबंधित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि क्लोरोफ्लोरोकार्बन का इस्तेमाल एअरोसोल स्प्रे, फोम, सॉल्वेंट और रेफ्रिजरेंट्स बनाने में होता है। क्लोरोफ्लोरो कार्बन को थॉमस मिड्ले के द्वारा 1920 के दशक में खोजा गया। 1980 के दशक के पहले इनका इस्तेमाल वातानुकूलन इकाइयों, एयरोसोल स्प्रे प्रोपेलेंट के रूप में और नाजुक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सफाई में किया जाता था। ये कुछ रासायनिक प्रक्रियाओं के उप-उत्पादों के रूप में भी प्रकट होते हैं। वैज्ञानिक विश लेषण बताते हैं कि भूमि की सतह से क्लोरोफ्लोरो कार्बन को ऊपरी वायुमंडल में पहुँचने में औसतन 15 साल लग जाते हैं, जहॉ यह लगभग एक सदी के लिए रह सकता है, इस अवधि के दौरान यह एक सौ हजार ओजोन अणुओं को नष्ट कर सकता है। 70 के दशक के बाद से पृथ्वी के समतापमंडल में ओजोन की कुल मात्रा में प्रति दशक लगभग चार प्रतिशत की धीमी लेकिन स्थिर कमी आ रही है । समतापमंडल में ओजोन की कुल मात्रा का निर्धारण प्रकाश रसायनिक उत्पादन और पुनर्संयोजन के बीच एक संतुलन के द्वारा होता है। इस प्रक्रिया में ऑक्सीजन के तीनों अपररूप ओजोन-ऑक्सीजन चक्र में शामिल हैं। ऑक्सीजन परमाणु, ऑक्सीजन गैस और ओजोन गैस प्रमुख कारक हैं। ओजोन का निर्माण समताप मंडल में तब होता है जब ऑक्सीजन के अणु 240 **nm** से छोटे तरंगदैर्ध्य के एक पराबैंगनी फोटोन को अवशोषित करके प्रकाश अपघटित करते हैं। यह ऑक्सीजन के दो परमाणुओं का निर्माण करता है। अब परमाण्विक ऑक्सीजन O_2 के साथ संयोजित होकर O_3 बनाती है। ओजोन अणु 310 और 200 **nm,** के बीच के यूवी प्रकाश को अवशोषित कर लेता है, जिससे ओजोन विभाजित होकर एक ऑक्सीजन परमाणु और एक O_2 अणु बनाता है। अब ऑक्सीजन परमाणु ऑक्सीजन अणु के साथ संयोजित होकर फ़िर से ओजोन अणु बनाता है। यह एक सतत प्रक्रिया है जो तब चलती रहती है जब एक ऑक्सीजन परमाणु एक ओजोन अणु के साथ 'पुनर्संयोजित' होकर दो O_2 अणु नही बना लेता। ओजोन को मुक्त मूलक उत्प्रेरक की एक संख्या के द्वारा नष्ट किया जा सकता है, इसमें से सबसे महत्वपूर्ण है हाइड्रोक्सिल मूलक ,नाइट्रिक ऑक्साइड मूलक और परमाणु क्लोरीन और ब्रोमीन । समतापमंडल में इसकी प्राकृतिक उत्पत्ति होती है लेकिन मानव की क्रियाविधियों के फलस्वरूप ऑक्सीजन क्लोरीन और ब्रोमीन में अप्रत याशित वृद्धि हुई है। वर्ष 1985 में, प्रमुख व लोरोफ्लोरो कार्बन उत्पादकों सहित 20 राष्ट्रों ने वियना कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए जिसमें ओजोन रिक्तिकरण पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय नियमों पर एक रूपरेखा तैयार की गई। वर्ष 1987 में, 43 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए। इस बीच, हेलोकर्बन उद्योग ने अपनी स्थिति स्थानांतरित की और सी एफ सी के उत्पादन को सीमित करने के लिए एक प्रोटोकॉल का समर्थन करना शुरू कर दिया। मॉन्ट्रियल में, सहभागी क्लोरोफ्लोरो कार्बन के उत्पादन को 1986 के स्तर पर फ्रीज करने के लिए सहमत हो गए और 1999 तक उत्पादन को 50% तक कम कर दिया । मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल को अपनाने और उसे प्रबल बनाने के बाद से सीएफसी के उत्सर्जन में कमी आई है, सबसे महत्वपूर्ण यौगिकों का वातावारानीय सांद्रण कम हो गया है। वैज्ञानिकों से प्राप्त आंकड़ों के विश लेषण में बताया गया है कि वर्ष 1980 के स्तर तक ओजोन परत की क्षतिपूर्ति करने के लिए वर्ष 2068 तक का समय लग सकता है। हाल ही में रीब वैज्ञानिक ने बताया कि सूर्य की घातक अल्ट्रावायलेट किरणों से बचाने वाली ओजोन परत का छेद भरने लगा है और आर्कटिक क्षेत्र के ऊपर बना 10 लाख वर्ग किलोमीटर की परिधि वाला ओजोन छेद बंद हो गया है। सीएएमएस ने अपनी रिपोर्ट में पाया कि वसंत में अंटार्कटिक के ऊपर विकसित होना वाला ओजोन छिद्र एक वार्षिक घटना है, उत्तरी गोलार्ध में इस तरह के मजबूत ओजोन क्षरण के लिए स्थितियां सामान्य नहीं हैं। तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण ऐसा हुआ है। 'पोलर वोर्टक्स' इसकी प्रमुख वजह है जो ध्रुवीय क्षेत्रों में ठंडी हवा लाने और ओजोन परत के बाद के उपचार के लिए जिम्मेदार हैं। ओजोन परत के संरक्षण के प्रति हमें पर्यावरण ढॉचे को बनाये रखने के लिए अन्य घटकों के साथ ही प्रकृति के साथ संयमित जीवन शैली अपनाने की जरूरत है। इसके साथ ही पौधरोपण की वरीयता, एयरकंडीशन, रैफ्रीजरेटर जैसे भौतिक सुविधाओं पर निर्भरता कम करना होगा। प्लास्टिक और रबर से बने टायरों को जलाने पर प्रतिबंध लगाना होगा। एयरोसोल और प्लास्टिक कैंटेनर मुक्त सौंदर्य प्रसाधन, क्लोरोफ्लोरोकार्बन मुक्त स्प्रे जैसे उत्पादों के उपयोग से बचना होगा। कृषि क्षेत्र में पर्यावरण अनुकूल उर्वरकों का ध्यान रखना होगा। कारखानों के हानिकारक तत्वों का उन्मूलन(डीकंपोज),सार्वजनिक परिवहन कारपूलिंग, और सौर व विद्युतचलित वाहनों के उपयोग पर बल देना होगा।

'आज के ट्वीट

नेतृत्व

मुझे आज ये देखकर बहुत खुशी होती है कि जिस यूपी को देश के विकास में एक रुकावट के रूप में देखा जाता था, वही यूपी आज देश के बड़े अभियानों का नेतृत्व कर रहा है:

--पीएम

नींद

जग्गी वासुदेव/ हमारे शरीर को नींद की आवश्यकता नहीं है। इसको जरूरत है आराम की। अधिकतर लोगों के अनुभव में, वे जिस आरामदायक अवस्था को जानते हैं, उसका सबसे गहरा रूप नींद है, अत: वे नींद के बारे में बात करते रहते हैं। पर मूल रूप से, शरीर आप से नींद नहीं मांगता। वो आराम चाहता है। आप जब बहुत सारी गतिविधियां करते हैं तो आप के शरीर में तनाव इकट्ठा होने लगता है, जिसके कारण कुछ समय बाद शरीर नींद लेना चाहता है। आजकल कुछ तथाकथित विशेषज्ञ हैं जो नींद को बढ़ावा दे रहे हैं। मुझे लगता है कि नींद को बढ़ावा देने की कोई जरूरत नहीं है-लोग जब थक जाते हैं तब स्वयं ही नींद में चले जाते हैं। पर कई लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं कि हरेक को प्रति दिन 8 से 10 घंटे सोना ही चाहिए। मान लीजिये, आप 100 साल जीवित रहते हैं और रोज 8 घंटे सोने की बात मान लेते हैं तो अपने अंत समय तक आप 33 से भी ज्यादा वर्षों का समय सिर्फ सो कर ही बिता चुके होंगे। लोगों ने इस आराम वाली बात को ठीक से समझा नहीं है। तो, आज आप बस ये सरल सी चीज कीजिये-भोजन से पहले और बाद में अपनी नाड़ी को माप लीजिये। अब, अगर आप ईशा क्रिया सीख लें, जो एक बहुत ही सरल क्रिया है और जिसके लिये आप को दिन के बस 12 मिनट लगेंगे, अगर आप इसे नियमित रूप से 4 से 6 सप्ताहों तक करें और फिर आप भोजन से पहले तथा बाद में अपनी नाड़ी का परीक्षण करें तो आप पाएंगे कि ये कम हो गयी है। इसका अर्थ ये है कि आप की आरपीएम कम हो गई है। अगर आप अपनी कार को 5000 आरपीएम पर चलाते हैं तो 2000 आरपीएम पर चलाने की अपेक्षा ये ज्यादा जल्दी खराब होगी। इसी तरह अगर आप लगातार ज्यादा आरपीएम पर काम करते रहते हैं तो आप ज्यादा थक जाते हैं और फिर उसकी भरपाई के लिए ज्यादा नींद लेते हैं। अगर आप अपने आप को आरामदायक अवस्था में ले आते हैं, तो आप अपने सिस्टम को शांत बना लेते हैं। जब आप यहां पूर्ण शांति में होते हैं तो आप के शरीर में जो तनाव बनता है वो बहुत कम होता है। आप को कितने घंटे सोना चाहिये यह तय करने की आप को कोई जरूरत नहीं है। जब आपको पर्याप्त आराम मिल जाये तो आप को जाग जाना चाहिए। और फिर अपनी दिनचर्या में तल्लीनता से लग जाना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्चो पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

लाज रखें अपने पुरखों की

प्रकाशनार्थ - डॉ. दीपक आचार्य

जो लोग धरा पर जन्म लेने और जीने के उद्देश्यों को जानते हैं, मानव जीवन के चरम लक्ष्य को समझते हैं, वे अच्छे इंसान के रूप में रहने, दिखने-दिखाने और जीने का प्रयास करते हैं। यही वे लोग हैं जो 'जिओ और जीने दो' में विश्वास रखते हुए स्व कल्याण भी करते हैं और जगत का भी। इन लोगों के कारण से ही पृथ्वी टिकी हुई है अन्यथा जैसा विषमता भरा माहौल और मानवीय विकृतियों का जोर दिख रहा है उससे तो यही आभास होता है कि इंसान खोने लगा है और उसका स्थान ले लिया है दुकानों ने। कुछ फीसदी को छोड़ दिया जाए तो शेष सारे ही हर क्षण नफा-नुकसान की गणित में डूबे नज़र आते हैं। धन का नशा इतना अधिक जोर दिखा रहा है कि कोई अपने आपे में रहा ही नहीं। जो जैसा है उससे कई गुना अधिक दिखना-दिखाना और पाना चाहता है। लघुता में प्रभुता की बातें अब निरर्थक होती जा रही हैं। अब केवल धनबल और बाहुबल से लेकर संख्या बल पर ही अधिक भरोसा जताया जा रहा है चाहे वह अलक्ष्मी का बल हो या फिर नाकाराओं और शोषकों का संख्या बल। जहां कहीं गुणात्मकता और सर्वश्रेष्ठता से अधिक महत्त्व भीड़ और संख्या बल का होता है वहाँ कई प्रकार की विकृतियां और दुष्प्रभाव समाज, क्षेत्र और देश पर दिखाई देने लगते हैं। यह स्थिति ठीक उस बाढ़ की तरह है जो कि महानदियों में अक्सर उफान लाकर तटों से लेकर जलग्रहण एवं जलभराव क्षेत्रों तक को तबाह कर डालती है। सिद्धान्तों और विचारधाराओं का जमाना लद गया, उसका स्थान ले लिया है कि धन, धार और धमाल ने। पूरी दुनिया इस विषय पर चिन्तित है। आज की पीढ़ी को आलस्य, प्रमाद और छीनाझपटी से ऎश्वर्य पाने की मनोवृत्ति ने ऎसा घेर लिया है कि उसके आगे न कोई शुचिता रही है, न परिश्रम और पुरुषार्थ के कोई मायने। चाहे जिस तरह भी हो सके, हमारे जेब और घर उत्तरोत्तर भरते रहें और हम दूसरे लोगों की नज़रों में वैभवशाली, लोकप्रिय और महान बने रहें। आजकल श्रद्धा और स्नेह के भी कोई मायने नहीं रहे। यह जरूरी नहीं कि जो बड़ा है उसके प्रति सभी की श्रद्धा हो ही, अनुकरण करने वाले हों ही। बड़ा कोई भी हो सकता है लेकिन वह बढ़िया हो ही, यही जरूरी नहीं। हमने बहुत बड़े-बड़े देखें हैं जो केवल नाम के बड़े हैं, और बड़े भी बन गए हैं तो किसी और बड़े की कृपा, दया, करुणा या सर्वस्व समर्पित भाव से षोडशांग सेवा से। अब केवल तुच्छ स्वार्थ और काम बनने-बिगड़ने या बिगाड़ने में जो जितना अधिक सहयोगी भूमिका अदा कर सकता है, उसी के प्रति निकटता बनाए रखना दोनों पक्षों की मजबूरी है। उन्हें भीड़ चाहिए, और दासत्व से संक्रमित भीड़ को संरक्षण प्रदान करने वाला नायक। समाज-जीवन के हर क्षेत्र में इसी तरह की भीड़भाड़ दिखने को मिल रही है। असल में अब कोई किसी का रहा ही नहीं, देश, काल और परिस्थितियों के अनुसार लोग उसी तरह ढल जाते हैं जैसे कि टकसाल में सिक्के। काम होते रहें, संरक्षण मिलता रहे, स्वार्थ पूर्ति होती रहे, तभी तक कोई इंसान अच्छा रहता है, फिर काम निकल जाने के बाद कोई किसी का नहीं। यही वजह है कि अब किसी पर आँखें मूँद कर भरोसा नहीं किया जा सकता। किस समय कौन कब फिसल जाए, यह कयास भी कोई नहीं लगा सकता। अब आदमी के सामने जिन्दगी भर के लिए इतनी सारी मखमली रपटें और लुभावनी फिसलपट्टियाँ हो गई हैं कि उसे फिसलाना, फुसलाना और फिसड्डी बनाना सबसे आसान होकर रह गया है। हम सभी लोग वर्तमान हालातों के लिए एक-दूसरे को दोष देकर पल्ला झाड़ने के आदी हो गए हैं अथवा यह कहकर उदासीनता ओढ़ लिया करते हैं कि जमाना खराब है, समय ठीक नहीं। लेकिन ऎसा कहते समय हम चालाक लोमड़ और लोमड़ियां अपने आपको जमाने से पृथक होकर देखते हैं। हम कभी यह नहीं सोचते कि जमाने की खराबी में हमारा भी अहम् योगदान है क्योंकि हम भी इसी जमाने का हिस्सा है। अप्रिय या विषमतापूर्ण समय की बातें करते वक्त हमें यह सोचना चाहिए कि हमारे बाप-दादा और पुरखे कैसे थे और हम कैसे हैं। हमारी पुरानी पीढ़ियों ने धर्म, सत्य और नैतिक मूल्यों के साथ जिस प्रकार पवित्र जीवनयापन किया, कठोर परिश्रम और पुरुषार्थ से जीवन यात्रा को पूर्ण किया और समाज तथा देश के लिए त्याग किया, वैसा हम कर पा रहे हैं क्या? जिनके बाप-दादा भी नकारात्मक और विध्वंसकारी स्वभाव के रहे हों, उनकी संतति यदि आसुरी कर्मों में रमी हुई दिखे, तो अलग बात है लेकिन इनका प्रतिशत नगण्य ही है। लेकिन जिनके पूर्वज शौर्य-पराक्रम, संस्कार और शुचिता के साथ धर्म-कर्म और जगत व्यवहार में उल्लेखनीय काम कर गए, समाज और क्षेत्र में नाम कमा गए, उनके वंशज यदि अमानवीय, संवेदनहीन और बुरे काम करने वाले कुकर्मी निकल जाएं, तो गंभीरतापूर्वक सोचने और इसके कारणों की तलाश करने की आवश्यकता है। खूब सारे लोगों के बारे में कहा जाता है कि इनके बाप-दादा सज्जन और कर्मयोगी थे और ये...। इसके पीछे छिपे कारणों को तलाशा जाए तो कई सारे गोपनीय रहस्य सामने आएंगे। हम इसमें जाना नहीं चाहते क्योंकि इनके परिवारों के बारे में जानकारी रखने वाले बड़े-बुजुर्ग और आस-पास के लोग अच्छी तरह जानते हैं। पर हम सभी को अपने पूर्वजों को केन्द्र में रखकर उनका पावन स्मरण करते हुए यह आत्मचिन्तन करना होगा कि वे कितने उन्नत और पराक्रमी एवं लोकमान्य थे, और हम। इस पराभव के पीछे कौनसे कारण रहे हैं। इसमें हमारी दुर्बलताएं, व्यसनी स्वभाव और खुदगर्जी किस हद तक जिम्मेदार है। कोई सा कुल और वंश परंपरा हो, पूर्वजों के मुकाबले वंशजों की कीर्ति और लोक मान्यता का ग्राफ जिन परिवारों में बढ़ता रहता है, वस्तुत: वे परिवार ही धन्य हैं अन्यथा अपकीर्ति और प्रभावहीनता का ग्राफ बढ़ता रहे, यह संतति दोष में गिना जाना चाहिए। हम सभी को चाहिए कि फुरसत निकाल कर पूरी ईमानदारी के साथ तुलनात्मक आत्मचिन्तन करें और अपनी दुर्दशा, अध:पतन, संस्कारहीनता तथा सामाजिक मूल्यहीनता को देखें तथा अपने आपको सुधारें। खूब सारे लोग न सुधरना चाहते हैं न उन्हें सुधारा जा सकता है। ऐसे लोगों पर समय, श्रम और धन खर्च करना मूर्खता है लेकिन ऐसे लोगों को समाज और क्षेत्र की मुख्य धाराओं से भी दूर रखा जाना चाहिए अन्यथा एक मछली तो सारे तालाब को ही गन्दा कर पाती है लेकिन एक मगरमच्छ पवित्र स्नान को जलाशय पर आए तमाम लोगों को एक-एक कर निगल जाता है। इस बारे में गज और ग्राह की पौराणिक कहानी को भी हमें स्मरण रखना चाहिए। और यह भी तय मानकर चलना चाहिए कि अब ग्राह की पकड़ से कोई छुड़ाने आने वाला नहीं है क्योंकि गज कम होते जा रहे हैं और ग्राह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इन तमाम हालातों में कम से कम एक बार अपने पुरखों का स्मरण करें और उनकी तो लाज रखें।

सोने में 438 रुपए का उछाल, चांदी 633 रुपए चढ़ी

नई दिल्लीः राष्ट्रीय राजधानी सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 438 रुपए की तेजी के साथ 46,214 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। बहुमूल्य धातुओं की वैश्विक कीमतों में मंगलवार रात आई तेजी का असर घरेलू बाजार पर भी पड़ा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 45,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 633 रुपए सुधरकर 62,140 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 61,507 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''न्यूयॉर्क स्थित जिंस बाजार, कॉमेक्स में सोने की कीमत में मंगलवार रात आई तेजी के साथ दिल्ली में 24 कैरेट सोने के हाजिर मूल्य में 438 रुपए का उछाल आया।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों की कीमत क्रमशः 1,802 डॉलर प्रति औंस और 23.79 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही।

मास्टरकार्ड प्रतिबंधः आरबीएल बैंक ने वीजा के साथ क्रेडिट कार्ड जारी करना शुरू किया

मुंबईः अमेरिकी भुगतान कंपनी मास्टरकार्ड पर नियामक प्रतिबंध लगने के दो महीने बाद निजी क्षेत्र के ऋणदाता आरबीएल बैंक ने बुधवार को प्रतिद्वंद्वी वीजा के भुगतान नेटवर्क पर क्रेडिट कार्ड जारी करना फिर से शुरू कर दिया। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस साल 14 जुलाई को डेटा स्थानीयकरण संबंधी आवश्यकताओं का पालन नहीं करने पर मास्टरकार्ड को कोई भी नया कार्ड जारी करने से प्रतिबंधित कर दिया था। इस कदम से आरबीएल बैंक सहित कई उधारदाताओं को झटका लगा था, जो अपने क्रेडिट कार्ड व्यवसाय के लिए पूरी तरह से अमेरिकी भुगतान कंपनी पर निर्भर थे। आरबीएल बैंक ने कहा कि उसने 14 जुलाई को ही वीज़ा के साथ साझेदारी की थी और फिर से नए कार्ड जारी करने के लिए रिकॉर्ड समय में प्रौद्योगिकी एकीकरण किया। बैंक ने वित्त वर्ष 2021-22 में 12-14 लाख क्रेडिट कार्ड जारी करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने का भरोसा जताया।

यूनियन बैंक ने 1.5 अरब डालर का वहनीयता से जुड़ा रिण प्राप्त किया

मुंबई. सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक आफ इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने 1.5 अरब डालर (करीब 11,050 करोड़ रुपये) का वहनीयता संकेतकों से जुड़ी रिण सुविधा हासिल की है। यह कर्ज सुविधा एक प्रमुख वैश्विक व्यापार निकाय से प्राप्त हुई है। बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि समूह विशेष से मिलने वाला यह कर्ज तीन साल का होगा और इस पर लिबॅर जमा 155 आधार अंक की सालाना दर पर ब्याज देय होगा। यह कर्ज बैंक के अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग प्रभाग के जरिये हासिल किया गया है। इस रिण सुविधा के तहत बैंक के तीन प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को शामिल किया गया है। इसमें प्रदूषण फैलाने वाली गैसों में कमी, धातुओं की जवाबदेही के साथ प्राप्ति और नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो में वृद्धि शामिल हैं। वहनीयता से जुड़े प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों का सालाना आधार पर एक तीसरे पक्ष के विशेषज्ञों द्वारा परीक्षण और पुष्टि की जायेगी।

निवेश में बढ़ोतरी और रोजगार के अवसर पैदा करेगी ऑटो क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने बुधवार को ईवीएस जैसे अक्षय और पर्यावरण के अनुकूल ऑटोमोबाइल को बढ़ावा देने के लिए एक पीएलआई योजना को मंजूरी दी। आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए केंद्र ने 26,058 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ ऑटोमोबाइल उद्योग और ड्रोन उद्योग के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी है। ऑटो क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना उच्च मूल्य के उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी वाहनों और उत्पादों को प्रोत्साहित करेगी।

यह उच्च प्रौद्योगिकी, अधिक कुशल और हरित ऑटोमोटिव निर्माण में एक नए युग की शुरूआत करेगा। ऑटोमोबाइल उद्योग और ड्रोन उद्योग के लिए पीएलआई योजना केंद्रीय बजट 2021-22 के दौरान 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पहले किए गए 13 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं की समग्र घोषणा का हिस्सा है। 13 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं की घोषणा के साथ, भारत में न्यूनतम अतिरिक्त उत्पादन 5 वर्षों में लगभग 37.5 लाख करोड़ होने की उम्मीद है और 5 वर्षों में न्यूनतम अपेक्षित अतिरिक्त रोजगार लगभग 1 करोड़ है। ऑटो क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना में भारत में उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी उत्पादों के निर्माण के लिए उद्योग की लागत अक्षमताओं को दूर करने की परिकल्पना की गई है। प्रोत्साहन संरचना उद्योग को उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी उत्पादों की स्वदेशी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिए नए निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

यह अनुमान है कि पांच वर्षों की अवधि में, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक उद्योग के लिए पीएलआई योजना से 42,500 करोड़ रुपये से अधिक का नया निवेश होगा, 2.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वृद्धिशील उत्पादन होगा और 7.5 लाख से अधिक नौकरियों के अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा इससे वैश्विक ऑटोमोटिव व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी।

एयर इंडिया को खरीदने के लिए टाटा संस ने लगाई बोली

नई दिल्लीः सरकार ने बुधवार को कहा कि उसे राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया के अधिग्रहण के लिए कई वित्तीय बोलियां मिली हैं। इस बीच, टाटा संस के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने एयरलाइन के लिए बोली सौंपी है। निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहिन कांत पांडे ने ट्विटर पर लिखा, लेनदेन सलाहकार को एयर इंडिया के विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां मिली हैं। प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। केंद्र सरकार सरकारी स्वामित्व वाली एयरलाइन में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचना चाहती है जिसमें एआई एक्सप्रेस लिमिटेड में एयर इंडिया की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी और एयर इंडिया एसएटीएस एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल हैं। जनवरी, 2020 से शुरू हुई विनिवेश की प्रक्रिया में कोविड-19 महामारी के कारण देरी हुई है। सरकार ने अप्रैल, 2021 में संभावित बोलीदाताओं को वित्तीय बोली सौंपने के लिए कहा था।

स्पाइसजेट ने शुरू की 38 नई उड़ानें

(एजेंसी):

घरेलू एविएशन कंपनी स्पाइसजेट ने बुधवार को चरणबद्ध तरीके से 38 नई डोमेस्टिक और इंटरनेशनल नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स की शुरुआत कर दी है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया **(Jyotiraditya Scindia)** ने विशाखापत्तनम से मुंबई के लिए पहली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। एयरलाइन ने दिल्ली को मालदीव की राजधानी माले से जोड़ने वाली नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स भी शुरू कीं, जो सप्ताह में चार दिन संचालित होंगी। कंपनी ने कहा कि उदयपुर और चेन्नई के बीच नई फ्लाइट्स भी शुरू की गईं जो सप्ताह में तीन दिन संचालित होंगी। स्पाइसजेट ने दिल्ली-सूरत-दिल्ली, बेंगलुरु-वाराणसी-बेंगलुरु, मुंबई-जयपुर-मुंबई, मुंबई-झारसुगुडा-मुंबई, चेन्नई-पुणे-चेन्नई, चेन्नई-जयपुर-चेन्नई और चेन्नई-वाराणसी-चेन्नई के रूट्स पर भी फ्लाइट्स शुरू की है। एयरलाइन ने यह भी कहा कि बेंगलुरु-दिल्ली-बेंगलुरु, मुंबई-किशनगढ़ (अजमेर)-मुंबई, बेंगलुरु-मैंगलोर-बेंगलुरु, मुंबई-दिल्ली-मुंबई, चेन्नई-गोवा-चेन्नई, अहमदाबाद-गोवा-अहमदाबाद, गोवा-दिल्ली- गोवा, पटना-अहमदाबाद-पटना और दिल्ली-पटना-दिल्ली रूट्स पर फ्रीक्वेंसी को बढ़ाया गया है। इसके अलावा, दुबई से मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, कोच्चि, कोझीकोड, अमृतसर और मंगलुरु को जोड़ने वाली फ्लाइट्स को फिर से शुरू किया जाएगा। अब, माले, विशाखापत्तनम, सूरत, किशनगढ़ (अजमेर), मंगलुरु, बेंगलुरु, वाराणसी, जयपुर, झारसुगुडा, चेन्नई, गोवा, पुणे, पटना, उदयपुर और अहमदाबाद जैसे शहरों के यात्री आसानी से कई अन्य शहरों की यात्रा कर सकते हैं।एयरलाइन ने आगे बताया कि वह इन रूट्स पर बोइंग 737 और क्यू400 विमान तैनात करेगी। बुकिंग अब **www.spicejet.com,** स्पाइसजेट के मोबाइल ऐप और ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल्स और ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से खुली है।

केयर्न, एयर इंडिया की न्यूयॉर्क की अदालत से कार्यवाही पर रोक लगाने अपील अम्मार जैदी

नई दिल्ली (एजेंसी):

केयर्न एनर्जी और एयर इंडिया ने संयुक्त रूप से न्यूयॉर्क की एक संघीय अदालत से ब्रिटिश कंपनी द्वारा अमेरिका में दायर मुकदमे में आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की अपील की है। इस मुकदमे में भारत सरकार के खिलाफ 1.2 अरब डॉलर के मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश को लागू करने के लिए एयरलाइन की संपत्ति जब्त करने की अपील की गई है। इनके अनुसार यह कदम सरकार द्वारा देश में पिछली तारीख से कराधान को समाप्त करने के लिए एक कानून बनाने के बाद उठाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप केयर्न पर 10,247 करोड़ रुपए की कर मांग वापस ले ली जाएगी। गौरतलब है कि भारत सरकार ने 2012 के पिछली तिथि से कर लगाने संबंधी कानून के तहत केयर्न एनर्जी पर 10,247 करोड़ रुपए का कर लगाया था। ब्रिटिश ऊर्जा कंपनी ने फैसले को सिंगापुर के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण में चुनौती दी जिसने पिछले साल दिसंबर में सरकार के कदम को गलत करार दिया और उसे कंपनी को पूरी राशि लौटाने का आदेश दिया। भारत के इस राशि का भुगतान न करने पर कंपनी ने अमेरिकी अदालतों का रुख किया लेकिन भारत की संसद ने पिछले महीने एक संशोधित कानून पारित कर 2012 के पूर्व तिथि से कर लगाने संबंधी कानून के प्रावधान को निरस्त कर दिया। इस कानून के तहत सरकार को 50 साल पुराने मामले में भी कर लगाने का अधिकार दिया गया था। साथ ही सरकार केयर्न से जब्त किए गए 7,900 करोड़ रुपए लौटाने पर भी सहमत हो गई है। केयर्न ने संकेत दिया कि ब्याज और जुर्माने के बगैर किया जाने वाला रिफंड उसे मंजूर है। इस तरह से दोनों पक्षों के बीच सात साल से जारी विवाद का हल निकलता दिख रहा है। केयर्न और एयर इंडिया ने 13 सितंबर को अमेरिकी जिला न्यायाधीश पॉल गार्डेफे से एक संयुक्त अनुरोध में कहा कि कार्यवाही पर रोक से उन्हें पिछली तारीख से कर को निरस्त करने वाले कानून के ÷प्रभावों और निहितार्थों का मूल्यांकन करने के लिए अतिरिक्त समय÷ मिलेगा। 7,900 करोड़ रुपए के रिफंड के बदले में केयर्न वे मुकदमे वापस ले लेगी जिनमें अदालत के आदेश पर विदेशों में स्थित भारत सरकार की संपत्तियों को जब्त करने की धमकी दी गयी थी। केयर्न के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) साइमन थॉमसन ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि कंपनी को पिछली तारीख से कर मांग के प्रवर्तन के तहत जब्त राशि को लौटाने के बदले भारत सरकार के खिलाफ सभी मुकद्दमे वापस लेने की पेशकश मंजूर है।

नई ऊंचाई पर बाजारः पहली बार सेंसेक्स 58700 और निफ्टी 17500 के पार बंद

नई दिल्ली (एजेंसी):

आज सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 476.11 अंकों (0.82 फीसदी) की तेजी के साथ 58,723.20 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 139.45 अंकों (0.80 फीसदी) की बढ़त के साथ 17,519.45 के स्तर पर बंद हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 175.12 अंक या 0.30 फीसदी के लाभ में रहा। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 58777.06 और निफ्टी 17,532.70 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स की शुरुआत 49.76 अंकों (0.09 फीसदी) की बढ़त के साथ 58296.85 के स्तर पर हुई। वहीं निफ्टी 13.80 अंकों (0.08 फीसदी) की तेजी के साथ 17393.80 के स्तर पर खुला था।

दिग्गज शेयरों का हाल

दिग्गज शेयरों की बात करें, तो आज शुरुआती कारोबार के दौरान एल एंड टी, एम एंड एम, टाइटन, बजाज ऑटो, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, रिलायंस, इंफोसिस, कोटक बैंक, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, डॉक्टर रेड्डी, आईटीसी, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, मारुति और पावर ग्रिड के शेयर हरे निशान पर खुले। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक और इंडसइंड बैंक के शेयर लाल निशान पर खुले।

अमेरिका के शेयर बाजार के हाल

इससे पहले अमेरिका के शेयर बाजार लाल निशान में बंद हुए। डाओ जोंस 0.84त्न की कमजोरी के साथ 34,577 पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.45त्न गिरकर 15,037 और स्ऽक्ब 500 0.57त्न की गिरावट के साथ 4,443 पर बंद हुआ।

पिछले सत्र में बढ़त पर बंद हुआ था बाजार

पिछले सत्र में शेयर बाजार दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद बढ़त पर बंद हुआ। सेंसेक्स 69.33 अंकों (0.12 फीसदी) की तेजी के साथ 58,247.09 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 24.70 अंकों (0.14 फीसदी) की बढ़त के साथ 17,380.00 के स्तर पर बंद हुआ।

त्रेहन ग्रुप गुरुग्राम में 320 लक्जरी अपार्टमेंट बनाने में 250 करोड़ रुपए निवेश करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी):

रियल्टी कंपनी त्रेहन ग्रुप ने मंगलवार को कहा कि वह गुरुग्राम में 320 लक्जरी अपार्टमेंट विकसित करने में 250 करोड़ रुपए निवेश करेगी। इस अपार्टमेंट में एक मंजिल पर एक ही फ्लैट होगा। कंपनी ने अलवर, भिवाडी, तापुकारा, नीमराना, नवी मुंबई और फरीदाबाद में कई परियोजनाएं विकसित की हैं। वह अब गुरुग्राम के जमीन-जायदाद बाजार में दस्तक दे रही हैं। त्रेहन ग्रुप के चेयरमैन हर्ष त्रेहन ने कहा कि कंपनी गुरुग्राम में विभिन्न जगहों पर 250 करोड़ रुपए के निवेश से मकान बनाएगी। इन मकानों में लक्जरी अपार्टमेंट होंगे जिसमें एक मंजिल पर एक ही फ्लैट होगा। ये फ्लैट 217 वर्ग गज से लेकर 676 वर्ग गज के होंगे। इनकी कीमत 1.27 करोड़ रुपए से 4 करोड़ रुपए तक होगी। हर्ष ने कहा, ''बिल्डर फ्लोर बाजार फिलहाल काफी बिखरा हुआ है। मकान खरीदारों की तरफ से बढ़ती मांग को देखते हुए हमने इसे संगठित रूप देने का निर्णय किया है।'' उन्होंने कहा कि कम ऊंचाई वाले इन फ्लैटों को 15 महीने में खरीदारों के सुपुर्द कर दिया जायेगा।

एक लीटर से कम कंटेनर में बिकने वाले नारियल तेल पर लग सकता है 18 प्रतिशत जीएसटी

(एजेंसी):

नारियल तेल पर लगने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर शुक्रवार की जीएसटी परिषद की बैठक में फैसला हो सकता है। फिटमेंट पैनल इसके कंटेनर का आकार निर्धारित कर 'खाने वाले नारियल तेल' और 'हेयर ऑयल' में अंतर कर सकता है। सरकार का मानना है कि हेयर ऑयल और खाद्य तेल में वर्गीकरण को लेकर भ्रम के कारण राजस्व का नुकसान हो रहा था। केंद्र व राज्य के अधिकारियों से बने फिटमेंट पैनल ने सुझाव दिया है कि जब नारियल तेल 1,000 मिलीलीटर से कम के कंटेनर में बेचा जाता है तो उसे हेयर ऑयल के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है और इस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जा सकता है, चाहे इसका अंतिम उपभोक्ता कोई भी हो। वहीं अगर नारियल तेल 1,000 मिलीलीटर या इससे ज्यादा के डिब्बे में बिकता है तो उसे खाद्य तेल माना जाएगा और उस पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

इस वजह से होता है राजस्व का नुकसान

एक सरकारी अधिकारी ने कहा, 'ऐसा पाया गया है कि तमाम ब्रॉन्ड अपने पैक पर हेयर ऑयल का उल्लेख नहीं करते और सिर्फ उसे नारियल तेल लिखते हैं। इसकी वजह से राजस्व का नुकसान होता है। इसलिए यह फैसला किया गया है कि कंटेनर के आकार के हिसाब से जीएसटी लगाया जाए और इसके अंतिम उपभोक्ता पर ध्यान न दिया जाए। ज्यादातर खाद्य तेल की बिक्री 1 लीटर के बोतल में होती है, ऐसा हेयर ऑयल के मामले में नहीं होता है।'

श्री सीमेंट राजस्थान में 3,500 करोड़ रुपये के निवेश से सीमेंट कारखाना लगाएगी

नयी दिल्ली (एजेंसी),

राजस्थान स्थित कंपनी श्री सीमेंट तीन परियोजनाओं में 4,750 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसमें से 3,500 करोड़ रुपये का निवेश राजस्थान की नवलगढ़ तहसील में एकीकृत सीमेंट संयंत्र लगाने के लिए किया जाएगा। कंपनी के निदेशक मंडल ने मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर अपनी सीमेंट इकाइयों में सौर बिजली संयंत्र लगाने के लिए 500 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी। इसके अलवा पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी श्री सीमेंट ईस्ट द्वारा 750 करोड़ रुपये के निवेश से क्लिंकर ग्राइंडिंग इकाई लगाने को भी मंजूरी दी गई। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने राजस्थान की नवलगढ़ तहसील के गोथरा गांव में एकीकृत सीमेंट संयंत्र और विभिन्न स्थानों पर सौर बिजली संयंत्र लगाने की मंजूरी दे दी है। नए प्रस्तावित संयंत्र की क्लिंकर क्षमता 38 लाख टन सालाना की होगी। यह मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही तक तैयार हो जाएगा। इस परियोजना पर 3,500 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी।

त्योहारी सीजन में SBI ने दी बड़ी राहत, ब्याज दरों में की कटौती

(एजेंसी):

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक **(SBI)** ने त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों को बड़ी राहत दी है। बैंक ने ग्राहकों के लिए सस्ते लोन का ऐलान किया है। बैंक ने ब्याज दरों में 0.05 फीसदी की कटौती की है। अब ब्याज दर घटकर 7.45 फीसदी हो गई है जो 15 सितंबर से प्रभावी है।

इसके अलावा बैंक ने प्राइम लेंडिंग रेट **(PLR)** में भी 0.05 फीसदी की कटौती का फैसला किया है, जिसके बाद पीएलआर 12.20 फीसदी हो जाएगा। ये नई दरें आज बुधवार 15 सितंबर 2021 से लागू हो गई हैं। इससे पहले अप्रैल में एसबीआई ने होम लोन की दरों में कटौती करते हुए 6.70 प्रतिशत कर दिया था। साथ ही महिला ग्राहकों को 0.05 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट देने का ऐलान किया था। बता दें कि बेस रेट एक मिनिमम ब्याज दर होता है, जिसके नीचे की दर पर कोई भी बैंक लोन नहीं देता है। इस दर को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया तय करती है। रिजर्व बैंक की ओर से तय मौजूदा बेस रेट 7.30-8.80 प्रतिशत है।

और सस्ती होंगी लोन की दरें!

SBI के इस फैसले का आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। इससे एसबीआई के ग्राहकों को अब होम लोन, ऑटो लोन, पर्सनल लोन समेत कई तरह के लोन की मासिक किस्त कम हो सकती है। बता दें कि जुलाई 2010 के बाद लिए गए सभी होम लोन बेस रेट से लिंक्ड हैं। इस मामले में बैंकों को आजादी है कि वे कॉस्ट ऑफ फंड्स की गणना औसत फंड कॉस्ट के हिसाब से करें या **MCLR** के हिसाब से करें। आरबीआई की ओर से तय मौजूदा **MCLR** रेट 6.55-7.00 प्रतिशत है।

Dealshare 10 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी, 5,000 लोगों की होगी भर्ती

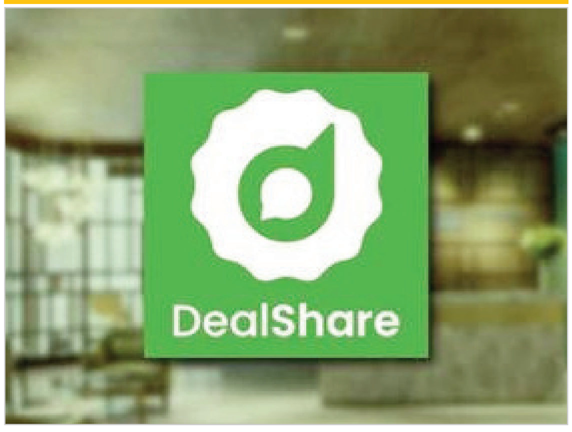

(एजेंसी):

डीलशेयर ने बुधवार को कहा कि उसने अपने परिचालन को बढ़ाने के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 736.3 करोड़ रुपए) का निवेश करने और विभिन्न कार्यों में लगभग 5,000 लोगों को नियुक्त करने की योजना बनाई है। कारोबार को तेजी से बढ़ाने के लिए यह निवेश अगले छह महीने के दौरान किया जाएगा। कंपनी ने हाल में टाइगर ग्लोबल, वेस्टब्रिज कैपिटल, अल्फा वेव इनक्यूबेशन और अन्य के जरिए 14.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर जुटाए थे। डीलशेयर के संस्थापक और सीईओ विनीत राव ने बताया कि हम अगले छह महीनों में 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। यह निवेश मुख्य रूप से परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 की चुनौतियों के बावजूद कंपनी का ग्राहक आधार काफी बढ़ गया है। राव ने बताया, ''इस समय हम पांच राज्यों और 45 से अधिक शहरों के लगभग 900 पिन कोड में मौजूद हैं।%% उन्होंने बताया कि कंपनी की योजना अगले छह महीनों में अपने कर्मचारियों की संख्या 1,000 से बढ़ाकर 5,000 से अधिक करने की है। इन लोगों को परिचालन उत्कृष्टता, उत्पाद और प्रौद्योगिकी, डेटा विज्ञान, विपणन और सोर्सिंग जैसी भूमिकाओं में नियुक्त किया जाएगा।

विश्व ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड- सेमी फाइनल मे यूएसए से हारा भारत, चीन के साथ मिला कांस्य पदक

चेन्नई (निकलेश जैन) गत वर्ष की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय शतरंज टीम फीडे ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड मे इस बार अपना प्रदर्शन नहीं दोहरा पायी है और अप्रत्याशित तौर पर यूएसए के टीम से सेमी फाइनल मुक़ाबला हारकर भारत प्रतियोगिता के फाइनल मे पहुँचने मे कामयाब नहीं सका । यूएसए के टीम अब फाइनल मे रूस से मुक़ाबला खेलेगी । भारत को इस बार रूस के साथ हारने वाली चीन के टीम के साथ कांस्य पदक हासिल हुआ है । मैच के पहले ही भारत की अनुभवी टीम के यूएसए पर बड़ी जीत की उम्मीद की जा रही थी और बेस्ट ऑफ टू रैपिड के पहले राउंड मे भारत नें विश्वनाथन आनंद , पेंटाला हरीकृष्णा , हरिका द्रोणावल्ली ,और आर वैशाली की शानदार जीत के दम पर 5-1 से जीत हासिल की और लगा की भारत का रूस से फाइनल खेलना लगभग तय है । पर दूसरे राउंड मे जब फाइनल मे जाने के लिए सिर्फ 3 अंक चाहिए थे आनंद , विदित और प्रग्गानंधा की हार से टीम को 4-2 से हार का सामना करना पड़ा और इसके बाद बात टाईब्रेक पर आ गयी । टाईब्रेक मे युवा यूएसए के टीम नें कमाल दिखाते हुए भारत को 4.5-1.5 से पराजित कर दिया ।

जमीनीं स्तर पर हैंडबॉल को बढ़ावा देने के लिए 240 करोड़ रूपए निवेश का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आगामी प्रीमियर हैंडबॉल लीग (पीएचएल) के लाइसेंस धारक ब्लूस्पोर्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने देश में खेल को बढ़ावा देने के लिए 240 करोड़ रूपये के निवेश का वादा किया और उनके इस प्रस्ताव का राष्ट्रीय महासंघ ने स्वागत किया है। कंपनी ने कहा कि वह अगले पांच वर्षों में भारत में पुरुष और महिलाओं दोनों के हैंडबॉल के विकास में तेजी लाने के लिए इस धन का उपयोग करेगी और उसका लक्ष्य न केवल अभिजात वर्ग के स्तर पर बल्कि जमीनी स्तर पर भी इस खेल को बढ़ावा देना होगा। ब्लूस्पोर्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह संस्थापक मनु अग्रवाल ने कहा कि एक पेशेवर हैंडबॉल लीग और उसके विपणन के अलावा हम विभिन्न रणनीतिक सहयोगों और विशेष रूप से खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ भारत में हैंडबॉल से जुड़े बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए तैयार किए गए कार्यक्रमों के माध्यम से जमीनी स्तर पर खेल को विकसित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण पर भी विचार कर रहे हैं। भारतीय हैंडबॉल महासंघ ने उनके सहयोग का स्वागत किया। महासंघ के कार्यकारी निदेशक आनंदेश्वर पांडे ने कहा कि हैंडबॉल पर वैश्विक स्तर पर काफी निवेश किया जाता है और यह खेल लोकप्रियता और व्यावसायिक रूप से काफी विकास कर चुका है। हम भारत में काफी वर्षों से इस खेल के विकास के लिए तेजी से काम कर रहे हैं और हमारा मानना है कि ब्लूस्पोर्ट एंटरटेनमेंट के इस निवेश से इस प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी।कंपनी ने अगले 10 वर्षों के लिए भारत में पुरुष और महिला लीग- पीएचएल दोनों के अधिकार पहले ही हासिल कर लिए हैं। पुरुषों और महिलाओं के खेलों के लिए 120 करोड़ रुपए के निवेश के साथ, कंपनी ने देश में जमीनी स्तर पर विकास के लिए 35 करोड़ खर्च करने की योजना बनाई है। दुनिया भर में 190 से अधिक देशों में खेले जाने वाले हैंडबॉल की भारत में जमीनी स्तर पर अपार लोकप्रियता है और वर्तमान में देश में 85000 से अधिक पंजीकृत खिलाड़ी हैं। पीएचएल का पहला टूर्नामेंट अगले साल आयोजित किया जाएगा।

आईपीएल 2021 : डिविलियर्स ने आरसीबी के पहले अभ्यास मैच में जड़ा शतक

दुबई (एजेंसी)।

रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के विस्फोटक दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने टीम के पहले इंट्रा स्क्वाड अभ्यास मैच में शतक जड़ा। आरसीबी ने इंट्रा स्क्वाड अभ्यास मैच का आयोजन किया जिसमें आरसीबी-ए और आरसीबी-बी टीम थी जिसकी कप्तानी क्रमशः हर्षल पटेल और देवदत्त पडीकल ने की। आरसीबी-ए टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ए टीम ने डिविलियर्स के 46 गेंदों पर सात चौकों और 10 छक्कों की मदद से 104 रन और मोहम्मद अजहरुद्दीन के 43 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों के सहारे 66 रन के दम पर 212 रन बनाए। इसके जवाब में आरसीबी-बी टीम ने केएस भरत के 95 तथा पडीकल के 21 गेंदों पर 36 रन की मदद से सात विकेट से मैच अपने नाम किया। डिविलियर्स ने कहा, जब हम यहां आए और बस से उतरे तो मैंने सोचा कि दिन के बीच में क्रिकेट खेलना अजीब है। मैंने क्रीज में अपने पार्टनर से कहा कि यह अब काफी बेहतर है और पिच सपाट है। हम यहां मजा कर सकते हैं और जितने रन हमने बनाए उससे हम संतुष्ट हैं। मुझे रन बनाकर खुशी हुई। आरसीबी के कोच और क्रिकेट ऑपरेशन निदेशक माइक हेसन ने कहा, काफी अच्छा मैच था। कई खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। दोनों शीर्ष क्रम ने बेहतरीन खेल खेला। तथ्य यह है कि हमें अंत में उनमें दबाव देखने को मिला, वही मैं देखना चाहता था। आरसीबी आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में अपने अभियान की शुरूआत कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 20 सितंबर को अबु धाबी में होने वाले मुकाबले से करेगी।

बेंगलुरू एफसी ने केरला ब्लास्टर्स को हराकर डूरंड कप अभियान शुरू किया

कोलकाता :

इंडियन सुपर लीग के पूर्व चैम्पियन बेंगलुरू एफसी ने बुधवार को यहां केरला ब्लास्टर्स पर 2-0 की जीत से डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अभियान शानदार तरीके से शुरू किया। नामग्याल भूटिया ने 45वें और लियोन ऑगस्टिन ने 71वें मिनट में बेंगलुरू एफसी (बीएफसी) के लिए गोल दागे। केरल की टीम ने मैच में अच्छी शुरूआत की और पहले हाफ के शुरू में दबदबा बनाया। उसके खिलाड़ियों ने कुछ मौके भी बनाये लेकिन इसमें सफलता हासिल नहीं कर सके। श्रीकुटन को 33वें मिनट में गोल करने का शानदार मौका मिला लेकिन बेंगलुरू एफसी के गोलकीपर लारा ने इसे रोक दिया। लूना ने 38वें मिनट में फ्री किक पर गोल की ओर शॉट लगाया लेकिन लारा फिर अपनी टीम के लिये बचाव किया। नामग्याल भूटिया ने 45वें मिनट में फ्री किक पर नेट की तरह शॉट लगाया जिसे रोकने के लिए ब्लास्टर्स के गोलकीपर एलबिनो गोम्स के पास कोई मौका नहीं था। केरला ब्लास्टर्स की टीम इसके बाद गोल करने के लिए इतनी बेताब दिखी कि दूसरे हाफ में उसके तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाया गया। फिर 71वें मिनट में लियोन ऑगस्टिन ने बेंगलुरू के लिये दूसरा गोल दागा। लारा को गोल रोकने के शानदार प्रयासों के लिये 'मैन आफ द मैच' चुना गया।

कोलंबो टी20: द.अफ्रीका ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराया, 3-0 से जीती सीरीज

कोलंबो (एजेंसी)।

विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक (नाबाद 59) और रीजा हेंड्रिक्स (नाबाद 56) के शानदार पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने यहां आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन बनाए। श्रीलंका की पारी में सलामी बल्लेबाज कुशल परेरा ने 33 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से सर्वाधिक 39 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने डी कॉक के 46 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 59 और हेंड्रिक्स ने 42 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के के सहारे नाबाद 56 रनों की पारी के दम पर 14.4 ओवर में बिना विकेट खोए 121 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। श्रीलंका की पारी में परेरा के अलावा चमीरा करूणारत्ने 19 गेंदों पर दो छक्कों की मदद से 24 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि कप्तान दासुन शनाका ने 18 रन, अविष्का फर्नांडो ने 12 और कामिंदु मेंडिस ने 10 रन बनाए। इनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज दहाई अंकों का आंकड़ा पार नहीं कर सका। दक्षिण अफ्रीका की ओर से जोर्न फोरटुइन और कैगिसो रबादा ने दो-दो विकेट लिए जबकि एडन मारक्रम, केशव महाराज और विआन मुलडर को एक-एक विकेट मिला।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में स्टेडियम में दर्शकों को अनुमति मिलेगी

नई दिल्ली। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में स्टेडियम में दर्शकों को अनुमति दी जाएगी। आईपीएल ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। आईपीएल ने बयान में कहा, वीवो आईपीएल 2021 की शुरुआत 19 सितम्बर से पांच बार के विजेता रहे मुंबई इंडियंस और तीन बार खिताब अपने नाम कर चुकी चेन्नई सुपर किंग्स के बीच मुकाबले से होगी। बयान में कहा, यह एक महत्वपूर्ण अवसर होगा क्योंकि स्टेडियम में दर्शक वापस आ रहे हैं। दर्शक टिकट को 16 सितम्बर से आईपीएल की आधिकारिक वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू आईपीएलटी20 डॉट कॉम पर या टिकट को प्लैटिनमलिस्ट डॉट नेट पर जा कर खरीद सकते हैं। आईपीएल ने कहा, दुबई, शारजाह और अबु धाबी में मैच कराए जाएंगे जहां सीमित सीट होगी और कोविड प्रोटोकॉल तथा यूएई सरकार के दिशा निर्देशों का भी पालन किया जाएगा।

हम अपनी तैयारियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं : सैमसन

दुबई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा है कि टीम को अपनी तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है और टीम एक समय में एक ही मैच पर ध्यान देगी। फ्रेंचाइजी के सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो में, सैमसन को अभ्यास सत्र शुरू करने से पहले टीम के सभी सदस्यों के साथ एक प्रेरक बात करते हुए देखा जा रहा है। सैमसन ने क्रिकेट निदेशक कुमार संगाकारा की उपस्थिति में कहा, हमारा लक्ष्य चैंपियनशिप जीतना है लेकिन हम अपनी प्रक्रिया पर ध्यान देंगे। हमें अपनी तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करना है और हम एक समय में एक ही मैच को देखेंगे। हम अपना सबकुछ देंगे। सैमसन भारत में हुए आईपीएल 2021 के पहले चरण में अच्छी फॉर्म में थे और उन्होंने 46.16 के औसत से सात मैचों में 277 रन बनाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर 63 गेंदों पर 119 रन रहा था। सैमसन ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि विरोधी टीम कौन है। मैं सभी के आंखों में ऐसा रवैया देखना चाहता हूं। हम बेहतरीन करेंगे भले ही हारें या जीतें। मैं आप सभी से वो प्रतिबद्धता चाहता हूं।

गेल को ओपनिंग में बल्लेबाजी करनी चाहिए : गंभीर

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर का मानना है कि वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में अपनी टीम पंजाब किंग्स के लिए ओपनिंग में बल्लेबाजी करनी चाहिए। उन्होंने साथ ही कहा कि गेल को तीसरे नंबर पर खेलाना समझ से परे होगा। गंभीर ने कहा, गेल को ओपनिंग करनी चाहिए। अगर गेल आपकी टीम में हैं तो आप क्यों उन्हें नंबर-3 पर खेलाना चाहते हैं। उन्हें तीसरे नंबर पर खेलाने का कोई मतलब नहीं है। विंडीज और पंजाब किंग्स ने ऐसा किया। मुझे नहीं पता इन्होंने ऐसा क्यों किया। उन्होंने कहा, अगर गेल एकादश में शामिल हैं तो उन्हें ओपनर के तौर पर आना चाहिए क्योंकि वह गेंद बर्बाद नहीं करते हैं। नंबर-3 पर उन्हें ओपनिंग की तुलना में सिंगल लेने पड़ते हैं। गंभीर ने महसूस किया कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद बल्लेबाजी करने के दौरान जल्दी से रन बनाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा, धोनी ऐसे खिलाड़ी हैं जो चौथे या पांचवें नंबर पर उतरते हैं। लेकिन हमने पहले चरण में देखा कि वह छठे या सातवें स्थान पर उतर रहे थे। ऐसा भी समय आया जब उन्होंने सैम करेन को खुद से पहले उतारा। इसके पीछे कारण यह है कि वह शायद एक मेंटर और विकेटकीपर के तौर पर ढलने की कोशिश कर रहे हैं, जो टीम का नेतृत्व और विकेटकीपिंग कर सके। गंभीर ने कहा, धोनी के लिए मुश्किल हो रही है क्योंकि एक बार आपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना छोड़ा तो आईपीएल काफी कठिन टूर्नामेंट हो जाता है। आईपीएल में आपको शीर्ष क्वालिटी के गेंदबाजों का सामना करना होता है।

मल्टी फॉर्मेट सीरीज में हर प्वाइंट महत्वपूर्ण है : मंधाना

मकाय। भारतीय महिला टीम की खिलाड़ी स्मृति मंधाना का कहना है कि मल्टी फॉर्मेट सीरीज में हर अंक काफी महत्वपूर्ण होता है।मल्टी फॉर्मेट सीरीज में अंक प्रणाली के अनुसार, सीमित ओवर में जीतने पर दो-दो अंक मिलते हैं जबकि टेस्ट मैच जीतने पर चार अंक दिए जाते हैं। ड्रॉ या टाई होने पर अंक बांटे जाते हैं। मंधाना ने कहा, मल्टी फॉर्मेट सीरीज में अंक हासिल करने के लिहाज से हर मैच महत्वपूर्ण होता है, इसलिए मुझे यह फॉर्मेट काफी पसंद है। यहां टेस्ट मैच खेलना हर क्रिकेटर का सपना है। मकाय में तीन वनडे मैच खेले जाने के अलावा भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 30 सितंबर से तीन अक्टूबर तक एकमात्र डे नाइट टेस्ट खेलेगी। इसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हेली ने मल्टी फॉर्मेट सीरीज को लेकर मंधाना के विचारों का समर्थन किया। हेली ने कहा, अब सोचें कि बातचीत हो रही है और हम देख सकते हैं कि यह काम कर रहा है। मुझे अच्छा लगा कि बात हुई। मैं यह नहीं कहूंगी कि यह (सभी टीमों के खिलाफ) नया मानदंड होगा, लेकिन कल्पना कीजिए कि कीवी खड़े होकर कह रहे हैं कि हम वास्तव में इस मल्टी फॉर्मेट सीरीज में से एक को खेलने में दिलचस्पी लेंगे।

तालिबान से बचकर पाकिस्तान पहुंची अफगानिस्तानी महिला फुटबॉलर

इस्लामाबाद । अफगानिस्तान की 32 महिला फुटबॉल खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ पाकिस्तान पहुंच गई हैं जिन्हें तालिबान से धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। बुधवार को एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उन्हें निकालने के लिए सरकार द्वारा आपात मानवीय वीजा जारी किए जाने के बाद ये फुटबॉलर पाकिस्तान पहुंची। राष्ट्रीय जूनियर बालिका टीम की इन खिलाड़ियों को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कतर जाना था जहां अफगान शरणार्थियों को 2022 फीफा विश्व कप के एक स्टेडियम में रखा गया है। लेकिन काबुल हवाईअड्डे पर 26 अगस्त को हुए एक बम धमाके के कारण वे ऐसा नहीं कर सकीं जिसमें 13 अमेरिकी और कम से कम 170 अफगान नागरिकों की मौत हो गयी थी। 'डॉन' अखबार की रिपोर्ट के अनुसार इन महिला खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलने के लिये तालिबान से धमकियों का सामना करना पड़ रहा था। इस रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद ये खिलाड़ी तालिबान से बचने के लिये छुपती फिर रही थीं। ब्रिटेन के एक गैर सरकारी संगठन 'फुटबॉल फॉर पीस' ने सरकार और पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (जो फीफा से मान्यता प्राप्त नहीं है) की मदद ने इन 32 खिलाड़ियों को पाकिस्तान लाने की शुरूआत की।

मैक्सवेल को अपने हिसाब से खेलने देने का श्रेय आरसीबी को जाता है : पार्थिव

मुंबई (एजेंसी)।

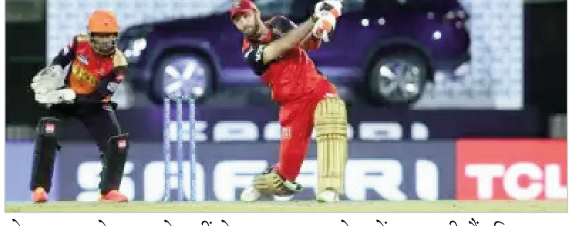

भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल का कहना है कि ग्लेन मैक्सवेल को उनके हिसाब से खेलने देने के लिए रॉयल चेलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के मैनेजमेंट को श्रेय देना चाहिए। विराट कोहली के कप्तानी वाली टीम के लिए अपने पहले सीजन में मैक्सवेल ने सात मैचों में 37.16 के औसत से 223 रन बनाए हैं जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल हैं। पार्थिव ने कहा, मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ी हैं जो एक निश्चित वातावरण में फलते-फूलते हैं। मुझे लगता है, कभी-कभी, आप उन पर बहुत अधिक दबाव नहीं डालते हैं। आप बस उस खिलाड़ी को वही करने देते हैं जो वो कर सकता है और कभी-कभी इससे खिलाड़ी के मानस पर बहुत फर्क पड़ता है। मुझे लगता है कि आपको यहां आरसीबी के मैनेजमेंट की पीठ थपथपानी होगी।उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि मैक्सवेल क्या कर सकते हैं लेकिन उन्हें उनके हिसाब से खेलने देने की छूट देने के लिए आरसीबी के टीम मैनेजमेंट को श्रेय देना होगा। भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने बताया कि आरसीबी ने अभी तक आईपीएल का खिताब क्यों नहीं जीता है। फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट के 2009, 2011 और 2016 संस्करणों में उपविजेता रही है। पिछले सीजन में वह प्ले-ऑफ में गए थे लेकिन एलिमिनेटर में बाहर हो गए थे। गंभीर ने कहा, कोहली के पास एबी डिविलियर्स और मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी हैं। डिविलियर्स ऐसे हैं जो जसप्रीत बुमराह से पार पाते हैं। मैंने बुमराह के खिलाफ किसी को लगातार ऐसा करते नहीं देखा। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आपके पास पांच या छह शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज होते हैं जो आईपीएल में नहीं है। आपको शायद दो या तीन अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज मिलें और फिर आपके पास घरेलू गेंदबाज भी हैं, जिन पर आप हावी हो सकते हैं। इसलिए, शायद कोहली और डिविलियर्स पर भी बहुत दबाव है, जो एक कारण हो सकता है। अगर आप खिताब नहीं जीतते हैं तो दबाव भी बढ़ता रहता है।

लड़कियों की एशिया अंडर 18 रग्बी सेवन्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेगा भारत

मुंबई । भारत की जूनियर लड़कियों की रग्बी टीम एशिया अंडर-18 सेवन्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को उज्बेकिस्तान रवाना हो गईं जहां ताशकंद में 18 और 19 सितंबर को यह प्रतियोगिता खेली जानी है। टीम में 14 खिलाड़ियों के अलावा कोच, फिजियो और मैनेजर सहित पांच अधिकारी शामिल हैं। एशिया के कुल पांच देश टूर्नामेंट में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे जिसमें भारत के अलावा कजाखस्तान, किर्गिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और मेजबान उज्बेकिस्तान शामिल हैं। पिछली सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप, राष्ट्रीय स्कूल खेल रग्बी चैंपियनशिप और फिटनेस तथा कौशल परीक्षण के नतीजों के आधार पर 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 52 लड़कियों को छांटा गया था जिसमें से 14 सदस्यीय टीम चुनी गई। लड़कियों के समूह ने राष्ट्रीय ट्रेनिंग और चयन शिविर में हिस्सा लिया जिसका आयोजन भुवनेश्वर में केआईआईटी विश्व विद्यालय परिसर में 14 अगस्त से 13 सितंबर के बीच किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉंग

मेघालय का कैपिटल शिलॉंग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉंग न देखें । शिलॉंग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉंग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉंग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉंग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉंग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक ह्द्दद्धह्लद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

सार समाचार

विदेशी पर्यटकों का रात भर इटली में रुकना 2020 में लगभग 55 प्रतिशत कम

रोम। महामारी वर्ष 2020 के दौरान इटली के पर्यटन उद्योग के लिए अंतिम आधिकारिक आंकड़े आने वाले हैं और देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसएटीएटी) के अनुसार, कोरोनावायरस से जो गिरावट आई है, वो प्रबल है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसटीएटी द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी आगंतुकों के रात भर ठहरने में पिछले साल 54.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। घरेलू पर्यटकों के रात में प्रवास में कम गिरावट आई, लेकिन 2019 की तुलना में अभी भी 32.2 प्रतिशत की कमी आई है। सभी ने बताया, आईएसटीएटी ने अनुमान लगाया कि विदेशी पर्यटकों ने पिछले साल इटली में 23.7 अरब यूरो (28.1 अरब डॉलर) खर्च किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 35 अरब यूरो कम है। पिछले साल पर्यटन में गिरावट अकेले 2020 में अतिरिक्त मूल्य में लगभग एक चौथाई गिरावट के लिए जिम्मेदार थी। मार्च 2020 में कोरोनावायरस महामारी ने इटालियन पर्यटन पर व्यापक प्रभाव डालना शुरू कर दिया, जिसका मतलब है कि पहले दो महीने पिछले वर्षों से कम या ज्यादा ट्रैक किए गए स्तर। जून और अगस्त के बीच थोड़ी रिकवरी भी हुई, जब यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी गई और कोरोनावायरस संक्रमण दर कम हुई। लेकिन मार्च और मई के बीच और सितंबर और वर्ष के अंत के बीच की अवधि उस चिंगारी के लिए पर्याप्त थी जिसे आईएसटीएटी ने पर्यटन खर्च में भारी गिरावट कहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह क्षेत्र 2021 में ठीक हो रहा है, हालांकि यह अभी भी 2019 के स्तरों से कम है, इसका मुख्य कारण यूरोप के बाहर के प्रमुख बाजारों से कम संख्या में आवक है।

पाकिस्तानी सेना के हेलीकॉप्टर ने राकापोशी में फंसे 3 पर्वतारोहियों को बचाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के एक हेलीकॉप्टर ने बुधवार सुबह राकापोशी पर्वत से एक पाकिस्तानी समेत तीन फंसे हुए पर्वतारोहियों को बचाया। जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के वाजिदुल्ला नगरी नाम के एक पर्वतारोही और चेक गणराज्य के दो पर्वतारोही पिछले पांच दिनों से पहाड़ पर 6,900 मीटर की ऊंचाई पर फंसे हुए थे। उपायुक्त नागर जुल्करनैन खान ने ट्विटर पर पुष्टि की कि तीनों पर्वतारोहियों को सेना ने बचा लिया है। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहियों को गिलगित में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके साथ ही खान ने फंसे पर्वतारोहियों की जान बचाने के लिए पाकिस्तानी सेना को धन्यवाद दिया। पर्वतारोहियों को बचाने के लिए हेलीकॉप्टर रविवार को हुंजा पहुंचे थे और उन्हें वापस लाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया था।

शीर्ष अमेरिकी जनरल ने अफगानिस्तान से पूर्ण वापसी का विरोध किया था

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों के पूर्व कमांडर ने मंगलवार को सीनेटरों से कहा कि उन्होंने देश से पूरी तरह से वापसी का विरोध किया था और पेंटागन के नेतृत्व को अपने पक्ष के बारे में सलाह दी। सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के शीर्ष रिपब्लिकन ने जनरल के साथ बंद कमरे में ब्रीफिंग के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी। द हिल की रिपोर्ट के अनुसार, जेम्स इंहोफे(आर-ओकला) ने कहा, जुलाई तक अफगानिस्तान में अमेरिकी और नाटो सैनिकों की कमान संभालने वाले जनरल स्कॉट मिलर ने समिति के सदस्यों को बताया कि उन्होंने रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले और यूएस सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल फ्रैंक मैकेंजी को सूचित किया था कि वह कुल निकासी के विरोध में थे। इंहोफे ने रिपब्लिकन कमेटी के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, स्पष्ट रूप से, राष्ट्रपति बाइडन दी गई सभी सैन्य सलाह को नहीं सुना। रिपोटरें ने पहले संकेत दिया है कि सैन्य नेतृत्व ने निजी तौर पर बिडेन को अफगानिस्तान से पूर्ण वापसी के खिलाफ सलाह दी थी। लेकिन मंगलवार की ब्रीफिंग ने 2019 के बाद से समिति के समक्ष मिलर की पहली उपस्थिति को चिह्नित किया।

तालिबान में महिलाओं के बने दो गुट! पहला कर रहा 'हिजाब' का समर्थन, दूसरे के लिए आजादी बड़ी

काबूल।एक आजाद इंसान को क्या पहनना है यह पूरी तरह से उसकी पसंद ना पसंद पर निर्भर करता है। अगर किसी समाज या शासन के द्वारा कपड़े पहनने का चयन किया जाता है तो यह गुलामी है। व्यक्ति के शरीर से जुड़ी चीजों का वह खुद निर्णय ले सकता है। इस समय तालिबान में महिलाओं की स्थिति को लेकर गरम बहस चल रही है। पूरे विश्व में महिलाओं को लेकर तालिबान के रवैये की अलोचना की जा रही है। लोगों को चिंता है कि तालिबानी एक बार फिर अफगान महिलाओं पर अपने जुल्मों की दास्तान को दोहराएंगे। तालिबान ने 20 साल पहले महिलाओं पर ऐसे जुल्म किए जिससे सुनकर आपकी रूह कांप जाएगी। अब 20 साल बाद जब अमेरिकी सेना ने पूरी तरह से अफगानिस्तान को छोड़ दिया तो तालिबानियों ने फिर वापसी की और सरकार का गठन किया।

शरिया कानून का होगा पालन

तालिबानी सरकार के अनुसार देश में इस्लाम के शरिया कानून को अपनाया गया है और इसी के अनुसार देश का शासन चलाया जाएगा। शरिया कानून महिलाओं की पाबंदियों को लेकर काफी सख्त है। तालिबान के राज में पहले ही स्कूल में महिला और पुरुषों की कक्षा को अलग-अलग कर दिया गया था। अब महिलाओं के पहनावे को लेकर काफी तर्चा है। जैसा कि शरिया में माना जाता है कि महिलाओ को इतना ढककर रहना चाहिए कि शरीर का एक हिस्सा भी दूसरा मर्द न देख सके। इसके लिए हाथों में दस्ताने, पैरों में जुर्राबें और सिर से लेकर पैर की आखिरी उंगली तक लंबा हिजाब ही औरतों को पहनना चाहिए। इसके अलावा कई नियम है जो महिलाओं की आजादी ता विरोध करते हैं।

भारत और अर्मेनिया की सेना ने एक साथ दुश्मन पर बोला धावा, पुतिन ने की समीक्षा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत और अर्मेनिया की सेना दुश्मन पर भावा बोलती नजर आई। बाकी देशों की सेना बम बरसाने में जुटी है। हालात ऐसे हो गए कि धरती कांपने लगी। वहीं दुश्मन के दिल पर दहशत साफ नजर आ रही है। पूरे हालात की समीक्षा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन खुद करते दिखे। दरअसल, ये किसी वॉर की कहानी नहीं बल्कि अभ्यास का हाले-बयां है। दरअसल, रूस के नोवोग्राड क्षेत्र में भारत समेत 17 देशों की सेनाएं जैपाड सैन्य अभ्यास में हिस्सा ले रही हैं। भारतीय सेना समेत बाकी देशों की सेना यहां पर बम बरसाने में जुटी है। सैन्य अभ्यास की वजह से हालात ऐसे हैं कि धरती कांप रही है और दुश्मन के दिल पर दहशत साफ नजर आ रही है। एक तरफ जहां रूसी सेना अपने अलट्रा मॉर्डन वेपन से दुनिया के सामने अपनी ताकत दिखा रही है। वहीं भारतीय सेना के नागा रेजमेंट के जवान दुश्मन को हराने के लिए एक से बढ़कर एक कारनामे कर रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जैपाड सैन्य अभ्यास को देखने के लिए पहुंचे। ऐसे में इस सैन्य अभ्यास के महत्व को समझा जा सकता है।

भारत ने नागा रेजमेंट के 200 जवानों को रूस भेजा

रूस के निजनी-नोवोग्राड इलाके में चल रही जैपाड एक्सरसाइज (3-16 सितंबर) है जिसमें भारतीय सेना के जवान अपना दमदार प्रदर्शन दिखा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक भारतीय जवानों ने प्लेन जंप, स्पेशल हेलीकॉप्टर ऑपरेशन और डिफेंसिव एक्शन में हिस्सा लिया। ये देख पाकिस्तान और चीन में चिंता की लहर है और दोनों देश इसे टकटकी लगाए देख रहे हैं। जैपाड एक्सरसाइज में भारत, रूस, अर्मेनिया, कजाकिस्तान सहित यूरेशिया और दक्षिण एशिया सहित 17 देशों के सैनिक अपना प्रदर्शन दिखा रहे हैं। भारतीय सेना ने इस सैन्य अभियान में हिस्सा लेने के लिए नागा रेजमेंट के 200 जवानों को रूस भेजा है। इसके अलाना मेकेवाइज्ड फोर्सेज (टैंक और बीएमपी व्हीकल्स) और भारतीय सेना के कमांडो भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

राष्ट्रपति पुतिन ने की समीक्षा

रूस में चल रहे जैपाड सैन्य अभ्यास की समीक्षा करने व्लादिमीर पुतिन नोवोग्राड क्षेत्र के म्यूलिनो ट्रेनिंग ग्राउंड पहुंचे। उनके मौजूदगी में ही कोउलेशन-फोर्सेज़ ने फाइनल-एसॉल्ट की ड्रिल की। माना जा रहा है कि कोल्ड-वॉर के बाद रूस ने इतने बड़े स्तर की एक्सरसाइज पहली बार की है जिसमें करीब दो लाख सैनिकों ने हिस्सा लिया है।

लंदन में बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल लेखकों की सूची जारी

ब्रिटेन। लंदन में मंगलवार को एक ऑनलाइन कार्यक्रम में 2021 के बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल उपन्यासकारों की सूची का अनावरण किया गया, जिसमें उपन्यास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की अंतिम सूची में छह उपन्यासकारों ने जगह बनायी है।

इनमें पुरुष-महिला लेखकों की संख्या समान रही। वहीं, भारतीय मूल के ब्रिटिश उपन्यासकार संजीव सहोता अंतिम दौड़ में चूक गए, जिन्होंने अपनी बेहद पसंद की गई कहानी चाइना रूम के साथ लंबी दूरी तय की।

श्रीलंकाई तमिल लेखक अनुक अरुदप्रगासम ने ए पैसेज नॉर्थ के साथ जगह बनायी जबकि द प्रॉमिस के लिए दक्षिण अफ्रीकी लेखक डेमन गलगुट, नो वन इज टॉकिंग अबाउट दिस के लिए अमेरिका की पेट्रीसिया लॉक्डवुड, बेविल्डरमेंट के लिए रिचर्ड पावर्स, ग्रेट सर्कल के लिए मैगी एस और द फॉर्च्यून मैन के लिए ब्रिटिश-सोमाली लेखक नदिफा मोहम्मद ने अपनी दावेदारी मजबूत की।

बुकर पुरस्कार,2021 के लिए चयन करने वाली समिति की अध्यक्ष इतिहासकार माया जैसनॉफ ने कहा कि उनके समक्ष कई महत्वाकांक्षी एवं बुद्धिमता वाली पुस्तकें हैं और वे चुनी गई सूची को जारी करके बेहद प्रसन्न हैं।

हर किसी के मन में एक ही सवाल, कब तक खत्म होगी कोविड वैश्विक महामारी?

नॉर्विच (ब्रिटेन)।(एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) मास्क पहनने, सामाजिक दूरी और लॉकडाउन लगने-हटने के साथ ही कोविड-19 वैश्विक महामारी के करीब 18 महीने बीत जाने के बाद, हर कोई यह जानने को बेताब है कि आखिर यह महामारी कब और कैसे खत्म होगी। इस बारे में कुछ भी पक्के तौर पर कहना मुमकिन नहीं है, लेकिन हमारे पास कुछ हद तक वास्तविक लगने वाली उम्मीदों को जगाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं कि यह महामारी आगे आने वाले समय में किस तरह से बढ़ेगी। कोविड-19 पहली बार नहीं है जब कोई कोरोना वायरस एक भयानक वैश्विक महामारी का कारण बना हो। यह अनुमान लगाया गया है कि रूसी फ्लू , जो 1889 में सामने आया था, वास्तव में इन्फ्लूएंजा नहीं था, बल्कि एक अन्य कोरोना वायरस, ओसी43 के कारण हुआ था।

रूसी फ्लू वैश्विक महामारी पांच वर्षों तक करीब चार या पांच लहरों के साथ आती रही जिसके बाद यह गायब हो गई। इंग्लैंड और वेल्स में 1890 से ले कर 1891 तक इसके कारण सबसे ज्यादा मौतें हुईं। संभावित कारण, ओसी43 का प्रसार आज भी देखने को मिलता है लेकिन इससे गंभीर बीमारी होना दुर्लभ है। मौजूदा साक्ष्य दिखाते हैं कि कोविड-19 फैलाने वाला सार्स-सीओवी-2 भी अभी रहने वाला है। यह निष्कर्ष वायरस पर काम कर रहे कई वैज्ञानिकों ने कुछ महीने पहले निकाला था। न तो टीके न ही प्राकृतिक संक्रमण वायरस को फैलने से रोक पाएगा।

टीके प्रसार को भले ही घटाते हैं, लेकिन वे वायरस को पूरी तरह खत्म करने के लिए संक्रमण को उच्चतम स्तर पर पूरी तरह नहीं रोक पाते हैं। डेल्टा स्वरूप के सामने आने से पहले, हमने टीके की दोनों खुराकें ले चुके लोगों को भी वायरस से संक्रमित होते और इसे दूसरों में फैलाते देखा है। वायरस के अन्य स्वरूपों की तुलना में टीकों के डेल्टा स्वरूप से निपटने में कम प्रभावी होने के कारण, टीकाकरण के बाद भी संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। वैक्सीन की दूसरी खुराक मिलने के कुछ हफ्तों के भीतर संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता भी कम होने लगती है। और चूंकि संक्रमण के प्रति प्रतिरोधक क्षमता न तो पूर्ण है और न ही स्थायी, इसलिए 'हर्ड इम्युनिटी' (सामूहिक प्रतिरक्षा) असंभव है। इसका मतलब यह है कि कोविड-19 के स्थानिक होने की संभावना है, जिसमें दैनिक संक्रमण दर घटना इस बात पर निर्भर करती है कि पूरी आबादी में कितनी प्रतिरक्षा है। अन्य मानव कोरोना वायरस हर तीन से छह साल में औसतन बार-बार संक्रमण का कारण बनते हैं।

यदि सार्स-सीओवी-2 उसी तरह से व्यवहार करता है, तो इसका मतलब है कि ब्रिटेन में 16.6 प्रतिशत और एक-तिहाई लोगों यानी 1.1 से 2.2 करोड़ लोग औसतन हर साल या 30,000 से 60,000 लोग एक दिन में संक्रमित हो सकते हैं। लेकिन यह उतना डरावना नहीं है जितना लगता है। हां, उभरते हुए अनुसंधान यह दर्शाते हैं कि रोगसूचक कोविड-19 के खिलाफ प्रतिरक्षा सुरक्षा कम होती दिख रही है। गंभीर बीमारी से सुरक्षा - जो या तो टीकाकरण या प्राकृतिक संक्रमण से उत्पन्न होती है - बहुत अधिक समय तक चलने वाली होती है। नए स्वरूपों का सामना करने पर भी यह कम होती नहीं दिखती है। कई अंत वाली महामारी कोविड-19 कैसे समाप्त होगा, यह एक देश से दूसरे

देश में भिन्न होगा। यह काफी हद तक प्रतिरक्षित लोगों के अनुपात पर निर्भर करता है और महामारी की शुरुआत के बाद से कितना संक्रमण हुआ है (और कितनी प्राकृतिक प्रतिरक्षा का निर्माण हुआ है)।

ब्रिटेन और अन्य देशों में जहां अधिकांश आबादी को टीका लग चुका है और पिछले मामलों की संख्या भी अधिक है, वहां के ज्यादातर लोगों में वायरस के प्रति किसी न किसी प्रकार की प्रतिरक्षा होगी। पूर्व प्रतिरक्षा वाले लोगों में, यह देखा गया है कि कोविड-19 कम गंभीर होता है। और जैसा कि प्राकृतिक रूप से दोबारा संक्रमण या बूस्टर टीकाकरण द्वारा समय के साथ अधिक लोगों की प्रतिरक्षा को बढ़ाया जाता है, हम नए संक्रमणों के बढ़ते अनुपात को बिना लक्षण वाले या सबसे खराब स्थिति में हल्की बीमारी करने वाला मान सकते हैं।

सऊदी अरब ने व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए नए कानून को मंजूरी दी

रियाद (एजेंसी)।

सऊदी अरब के मंत्रिपरिषद ने मंगलवार को व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून को मंजूरी दे दी।

सऊदी डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथॉरिटी (एसडीएआईए) ने घोषणा की कि नया कानून व्यक्तिगत डेटा को बिना सहमति के संग्रह और प्रसंस्करण से बचाता है। इसे छह महीने के भीतर लागू किया जाना है। सऊदी गजट ने बताया कि इसे किसी भी व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के लिए भी नामित किया गया है, जिससे उपयोगकर्ता को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बिना सहमति के संग्रह और प्रसंस्करण से पहचाना जा सकता है। डेटा में नाम, पहचान संख्या, पता, फोन नंबर, व्यक्तिगत रिकॉर्ड, वित्तीय रिकॉर्ड और छवियां, वीडियो या कोई अन्य पहचान डेटा शामिल हैं। नया कानून व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता सुनिश्चित करेगा, व्यक्तिगत डेटा के साझाकरण को नियंत्रित करेगा और व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग को रोकेगा। एसडीएआईए के प्रमुख अब्दुल्ला अल-गम्दी ने कहा कि कानून विशिष्ट नियंत्रणों के अनुसार व्यक्तिगत डेटा के प्रकटीकरण की प्रक्रिया को व्यवस्थित करेगा जो इसका इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विपणन या जागरूकता सामग्री के उद्देश्य के लिए संचार के व्यक्तिगत साधनों का उपयोग करने की अनुमति नहीं है, सिवाय व्यक्तिगत डेटा के मालिक की मंजूरी के, या एक तंत्र के अस्तित्व के लिए जो उसे इसे प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त करने में सक्षम बनाता है या नहीं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा भेजी गई जागरूकता सामग्री को इससे बाहर रखा गया है। अल-गामदी ने जोर देकर कहा कि सिस्टम व्यक्तिगत डेटा के मालिकों को उनके डेटा को देखने और इसके संग्रह और प्रसंस्करण के उद्देश्य को जानने का अधिकार देता है, और उन्हें इसे एक्सेस करने या इसकी एक प्रति प्राप्त करने का अधिकार है।

लैब-लीक थ्योरी को नकारने वाले वैज्ञानिक वुहान लैब से जुड़े : रिपोर्ट

लंदन (एजेंसी)।

चीन के वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (डब्ल्यूआईवी) से कोविड-19 के लीक होने के सिद्धांत को खारिज करने वाले वैज्ञानिकों का संबंध इस कुख्यात लैब से है।

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल 7 मार्च को द लैंसेट में प्रकाशित एक पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले वैज्ञानिकों में से एक ने लैब-लीक सिद्धांत को खारिज कर दिया था। 27 वैज्ञानिकों द्वारा हस्ताक्षरित और ब्रिटिश प्राणी विज्ञानी पीटर दासजक द्वारा शुरू किए गए लैंसेट पत्र ने इस वैज्ञानिक बहस को प्रभावी ढंग से बंद कर दिया कि क्या कोरोनावायरस में हेरफेर किया गया था या चीनी लैब से लीक किया गया था।

दासजक अमेरिका स्थित गैर-लाभकारी इकोहेल्थ एलायंस के अध्यक्ष हैं, जिनका चीन से सीधा संबंध है। फर्म ने डब्ल्यूआईवी में अनुसंधान को भी वित्त पोषित किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हस्ताक्षरकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने वुहान में कोरोनावायरस के प्रकोप के आसपास साजिश के सिद्धांतों की कड़ी निंदा की। सूचना की स्वतंत्रता अनुरोध का उपयोग करते हुए किए गए चौंकाने वाले रहस्योद्घाटन से पता चला है कि 8 फरवरी को दासजक द्वारा भेजे गए एक ईमेल से पता चला है कि उन्हें चीन में हमारे सहयोगियों द्वारा समर्थन दिखाने के लिए पत्र लिखने का आग्रह किया गया था। एक्सप्रेस डॉट को डॉट यूके ने अखबार का हवाला देते हुए कहा, दसजक ने अंततः इकोहेल्थ एलायंस में अपनी भागीदारी की घोषणा की। वह यह उल्लेख करने में विफल रहे कि पांच अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं ने भी संगठन के लिए काम किया।

इसके अलावा, लैंसेट पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में से तीन ब्रिटेन के वेलकम ट्रस्ट से थे, जिसने डब्ल्यूआईवी में काम के लिए धन भी दिया है। हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक, सेज के सदस्य और ट्रस्ट के निदेशक, सर जेरेमी फरार, वुहान सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के प्रमुख जॉर्ज गाओ को पुराना दोस्त बताते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि गाओ, जो वेलकम ट्रस्ट के पूर्व शोध सहायक भी हैं, ने दासजक के राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी में नामांकन का समर्थन किया था।

चीनी शहर वुहान में पहली बार कोविड-19 का पता चलने के लगभग दो साल बाद भी, वायरस की उत्पत्ति का सवाल अभी भी अनुत्तरित है। विश्व स्तर पर कई वैज्ञानिकों और सरकारों द्वारा कई दावे किए गए हैं। हाल की अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट भी इस बारे में कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं निकाल सकी है कि क्या नया कोरोनावायरस स्वाभाविक रूप से इंसानों में पहुंचा या यह किसी लैब लीक का परिणाम था।

भारत सरकार के अनुसार जलवायु महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाया जाना अत्यावश्यक है: जॉन कैरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के जलवायु मामलों के विशेष दूत जॉन कैरी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने भारत सरकार से कहा है कि जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं (लक्ष्यों) को आगे बढ़ाया जाना अत्यावश्यक है। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया है कि भारत, ब्रिटेन के ग्लासगोव में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के दौरान कुछ घोषणाएं करेगा। यह सम्मेलन 31 अक्टूबर से 12 नवंबर तक चलेगा। कैरी ने कहा कि यदि भारत वर्ष 2030 तक 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने सफल होता है, तो यह एक विकासशील देश द्वारा दुनिया के तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस पर बरकरार रखने के प्रयासों में बड़ा योगदान साबित होगा। उन्होंने कहा, मैं निजी तौर पर आग्रह करता हूं कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को लेकर स्पष्ट रूप से घोषणा करने के बारे में सोचे। कैरी जलवायु संकट से निपटने के मद्देनजर वार्ता को लेकर भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। कैरी से मीडिया ने सवाल किया कि क्या उन्होंने भारत सरकार को उसकी जलवायु महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने को कहा है तो कैरी ने कहा, मैंने उनसे कहा कि यह अत्यावश्यक है। हमें यह करना है।

लोगों ने मुझे स्पष्ट रूप से ना या हां नहीं कहा है। मैं किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला जिसने कहा हो कि यह बेकार विचार है और हम ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के जलवायु मामलों के विशेष दूत ने कहा, यह प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है। यह निर्णय लेने के लिए भारत में आंतरिक विचार-विमर्श करने की जरूरत है। मुझे विश्वास है कि भारत सीओपी26 में जाने के दौरान किसी न किसी बात की घोषणा करने जा रहा है और वो भी ऐसी, जैसा कि कई अन्य देशों से आपने अभी तक नहीं सुना होगा। केरी ने कहा कि दोनों पक्षों ने नेट जीरो पर चर्चा में अधिक समय नहीं दिया और उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन्हें तत्काल किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अगर आप वर्ष 2030 तक बेहतर तरह से कार्य नहीं करते हो तो नेट जीरो का लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकते। हमने वास्तव में एनडीसी की अवधारणा पर ध्यान केंद्रित किया और इस बात पर विचार किया कि 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए क्या सहायक कदम उठाए जा सकते हैं।

राष्ट्रपति भवन के अंदर आपस में ही लड़ने लगे तालिबानी, फैला दी मुल्ला बरादर के निधन की झूठी खबर

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान द्वारा अफगानिस्तान में अपनी अंतरिम सरकार की घोषणा करने के कुछ दिनों बाद काबुल में राष्ट्रपति भवन में उसके शीर्ष नेताओं के बीच एक बड़ा विवाद की सूचना सामने आयी है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान में दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के समर्थकों के बीच प्रेसिडेंशियल पैलेस में कहासुनी हो गई। हालांकि तालिबान ने ऐसी खबरों का खंडन किया है लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नयी सरकार के हालात ठीक नहीं है। तालिबान के सह-संस्थापक और उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के कई दिनों तक गायब रहने के बाद समूह के भीतर विवाद सामने आया।

सूत्रों ने बीबीसी पश्तो को बताया कि बरादर और खलील उर-रहमान हक्कानी ने (नए कैबिनेट में मंत्री और हक्कानी नेटवर्क के शीर्ष नेता) अपने अनुयायियों के बीच लड़ाई के बाद तीखी बहस की। जानकारी के अनुसार यह विवाद तब शुरू हुआ जब तालिबान के दो गुट आपस में अफगानिस्तान पर जीत का श्रेय लेने लगे। दोनों खेमे अपनी तारीफ में कसीदे पढ़ रहे थे इसी बीच झगड़ा शुरू हो गया।

एक तरफ बरादर खेमे का मानना है कि अफगानिस्तान पर तालिबान की जीत उनके द्वारा लिए गये कूटनीति फैसलों के कारण मिली है। वहीं हक्कानी का मानना है कि लड़ाई के माध्यम से जीत हासिल की गई थी। इस गर्मा-गर्मी के बाद यह बरादर कुछ समय के लिए गायब हो गये जिसके बाद यह अफवाह फैल गयी कि बरादर की मौत हो गयी लेकिन तालिबान के सूत्रों ने इस दावे का खंडन किया।

बरादर ने सोमवार को एक ऑडियो बयान जारी कर कहा कि वह जीवित हैं और उनके कथित निधन की वायरल हो रही खबर अफवाह है। बरादर ने क्लिप में कहा, ÷मीडिया में मेरी मौत की खबर थी। पिछली कुछ रातों से मैं यात्राओं पर गया हूं। मैं इस समय जहां भी हूं, ठीक हूं। मेरे सभी भाई और दोस्त भी ठीक है। मीडिया हमेशा नकली समाचार प्रकाशित करता है। इसलिए, उन सभी झूठों को बहादुरी से खारिज करें, और मैं आपको 100 प्रतिशत पुष्टि करता हूं कि मुझे कोई समस्या नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इस साल भी दिल्ली में दिवाली पर नहीं फोड़ पाएंगे पटाखे, केजरीवाल सरकार ने बिक्री, भंडारण व उपयोग पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। दिवाली के अवसर पर इस बार भी राजधानी दिल्ली में पटाखे नहीं बिकेंगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पटाखों की बिक्री भंडारण और चलाने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर दी। केजरीवाल ने अपने ट्वीट में कहा कि पिछले 3 साल से दीवाली के समय दिल्ली के प्रदूषण की खतरनाक स्तिथि को देखते हुए पिछले साल की तरह इस बार भी हर प्रकार के पटाखों के भंडारण, बिक्री एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है। जिससे लोगों की जिंदगी बचाई जा सके। केजरीवाल ने आगे कहा कि पिछले साल व्यापारियों द्वारा पटाखों के भंडारण के पश्चात प्रदूषण की गंभीरता को देखत हुए देर से पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया जिससे व्यापारियों का नुकसान हुआ था। सभी व्यापारियों से अपील है कि इस बार पूर्ण प्रतिबंध को देखते हुए किसी भी तरह का भंडारण न करें। आपको बता दें कि दिल्ली सरकार ने यह फैसला राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लिया। दिल्ली में वायु प्रदूषण हमेशा एक बड़ा मुद्दा रहा है। पिछले 3 सालों से दिल्ली में दिवाली के अवसर पर पटाखों की बिक्री और चलाने पर रोक लगी हुई है और इस साल भी इस पर रोक लगा दी गई है।

श्रीनगर शहर में 4 आतंकी अब भी सक्रिय: आईजीपी कश्मीर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बुधवार को कहा कि श्रीनगर शहर में अभी भी चार आतंकवादी सक्रिय हैं और पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने या उन्हें खत्म करने की कोशिश कर रही है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) (कश्मीर) विजय कुमार ने श्रीनगर में एक खेल आयोजन से इतर संवाददाताओं से कहा, श्रीनगर शहर में चार आतंकवादी अभी भी सक्रिय हैं। हम या तो उन्हें गिरफ्तार करने या ऑपरेशन में उन्हें खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। कुमार ने कहा कि युवाओं को नशे और उग्रवाद से दूर रखने के लिए खेल गतिविधियां बहुत महत्वपूर्ण हैं। आईजीपी ने कहा, अब जब कोविड -19 मामले कम हो रहे हैं, तो हम आने वाले महीनों में और खेल आयोजन करेंगे।

महाराष्ट्र में कोविड-19 के 3530 नए मामले , 52 की मरीजों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में मंगलवार को कोविड-19 के 3,530 नए मामले आए जबकि 52 और मरीजों की मौत दर्ज की गई। इसके साथ ही राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 65,04,147 हो गई है जिनमें से 1,38,221 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने यह जानकारी दी। वहीं पड़ोसी राज्य गुजरात में मंगलवार को संक्रमण के 11 नए मामले आए। हालांकि, किसी की मौत दर्ज नहीं की गई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि गत 24 घंटे के दौरान 3,685 मरीजों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई जिन्हें मिलाकर अबतक 63,12,706 मरीज महामारी को मात दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस समय राज्य में 47,671 मरीज उपचाराधीन हैं। वहीं, 2,96,176 लोग गृह पृथकवास में हैं जबकि 1875 संस्थागत पृथकवास में हैं। अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र में मरीजों के ठीक होने की दर 97.06 प्रतिशत है और मृत्युदर 2.12 प्रतिशत है। गुजरात में स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को संक्रमण के 11 नए मामले आने से राज्य में अबतक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या 8,25,640 हो गई है। हालांकि, मंगलवार किसी की कोविड-19 से मौत नहीं हुई और मृतकों की संख्या 10,082 पर स्थित है।

दूसरे राज्य के लोगों के लिए रजिस्टर रखने पर महाराष्ट्र में बवाल, बीजेपी ने आदेश को समाज को तोड़ने वाला बताया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के दूसरे राज्यों से आने वालों का ब्यौरा रजिस्टर रखने के निर्देश पर सियासत तेज हो गई है। सीएम उद्धव ठाकरे के इस निर्देश पर बीजेपी हमलावर हो गई है। बीजेपी विधायक अतुल भातकलकर ने महाराष्ट्र सीएम के इस बयान को समाज को तोड़ने वाला बताया है। उन्होंने पुलिस में सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाने की बात कही है। बीजेपी के आरोपों पर शिवसेना ने भी पलटवार किया है। शिवसेना के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीएम उद्धव ठाकरे के बायन का बचाव करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने किसी राज्य, जाति, धर्म का नाम नहीं लिया है। मुंबई एक अंतरराष्ट्रीय दर्ज का शहर है ऐसे में मुख्यमंत्री ने जो कहा है इसमें गलत कुछ भी नहीं है।

गुजरात में बाढ़ का कहर! राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ में भारी बारिश, सीएम ने लिया हालात का जायजा

अहमदाबाद। गुजरात के राजकोट और जामनगर जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश हुई और बाढ़ में फंसे हुए 200 से अधिक लोगों को बचाया गया जबकि दोनों जिलों में सात हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नवनियुक्त मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को जामनगर जिले के प्रभावित इलाकों का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित लोगों को मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण जामनगर में एक राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा सौराष्ट्र क्षेत्र के राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ जिलों से गुजरने वाले 18 राज्य राजमार्ग बंद कर दिए गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के बाद कई गांवों का संपर्क सड़कों से कट गया है। अधिकारियों ने बताया कि

गुजरात यदि प्रगति की राह पर था तो मुख्यमंत्री क्यों बदला गया: शिवसेना

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि गुजरात में अचानक नेतृत्व परिवर्तन कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल को नया मुख्यमंत्री बनाने के घटनाक्रम ने कामकाज की उस शैली को प्रतिबिंबित किया है जो आम तौर पर कांग्रेस से जुड़ी हुई है। पार्टी ने साथ ही दावा किया कि ''गुजरात के विकास मॉडल का गुब्बारा बुलबुले की तरह फूट गया है।'' शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा गया है कि गुजरात के लोग कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान स्वास्थ्य प्रणाली के ''ध्वस्त'' होने पर बेहद गुस्से में थे जब विजय रूपाणी मुख्यमंत्री थे।

इसमें कहा गया है कि भाजपा को भी यह एहसास हुआ कि पटेल प्रभावशाली पाटीदार समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, यह समुदाय पार्टी से नाराज है जिसके चलते इस पड़ोसी राज्य में शीर्ष स्तर पर यह बदलाव किया गया। भाजपा की पूर्व सहयोगी एवं अब महाराष्ट्र में कांग्रेस और राकांपा के साथ सत्ता साझा कर रही शिवसेना ने चुटकी लेते हुए कहा, ''यही चीज कांग्रेस में भी होती है और हमें इसे लोकतंत्र कहना होगा।'' संपादकीय में दावा किया गया है कि अचानक नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही ''लोकतंत्र का, राज-काज व विकास के गुजरात मॉडल का गुब्बारा किसी बुलबुले की तरह अचानक फट गया है।'' समाचार पत्र के संपादकीय में सवाल किया गया है, ''पटेल पिछले चार साल में मंत्री भी नहीं रहे हैं, लेकिन उन्हें सीधे मुख्यमंत्री बना दिया गया। गुजरात राज्य यदि विकास, प्रगति के मार्ग पर आगे जा रहा था तो इस तरह से रातों-रात मुख्यमंत्री बदलने की नौबत क्यों आयी?'' इसमें कहा गया है, ''जब किसी राज्य को विकास अथवा प्रगति का 'मॉडल' साबित करने के लिए उठापटक की जाती है, तब अचानक नेतृत्व बदलने से लोगों के मन में संदेह पैदा होता है।

भूपेंद्र पटेल पर अब गुजरात का भार आ गया है। अगले वर्ष दिसंबरमें विधानसभा चुनाव हैं। पटेल को आगे रखकर नरेंद्र मोदी को ही लड़ना होगा। जिसे गुजरात मॉडल कहा जा रहा है, वह यही है क्या?'' संपादकीय में लिखा गया है कि पटेल गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल के करीबी हैं, जबकि रूपाणी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन प्राप्त था। ''गुजरात में कल की राजनीति जितनी उलझनों वाली होगी, उतनी ही रोचक होगी।'' इसमें लिखा है, ''अहमदाबाद के पास स्थित, फोर्ड वाहन बनाने वाली कंपनी सहित कुछ बड़ी कंपनियों ने बोरिया-बिस्तर बांध लिया और हजारों लोगों पर बेरोजगारी का संकट आ गया। पूरे गुजरात में किसान, मजदूर, बेरोजगार युवक आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं जिसका असर चुनाव में होगा।

मंदिर निर्माण से पहले तैयार होगा अयोध्या का मॉडल रेलवे स्टेशन

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर निर्माण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। और 2023 में श्री रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। वही रामलला के दर्शन करने आने वाले यात्रियों को लेकर केंद्र सरकार रेलवे मार्ग को अति सुविधाजनक बनाए जाने की तैयारी भी तेज कर दी है। वहीं रेल मंत्रालय इस पूरे कार्य को लेकर निगरानी भी कर रहा है। यही कारण है कि लगातार रेलवे अधिकारियों का दौरा हो रहा है।

अयोध्या में चल रहे मॉडल रेलवे स्टेशन निर्माण को लेकर पूर्व में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन के द्वारा निरीक्षण किए जाने के बाद आज रेलवे बोर्ड की इंफ्रास्ट्रक्चर के सदस्य संजीव मित्तल ने भी डीआरएम व अन्य अधिकारियों के साथ कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान संजीव मित्तल ने दिसंबर माह तक प्रथम फेज में स्ट्रक्चर के कार्य को पूरा कर यात्री सुविधा के लिए खोले जाने जानकारी दी है। अयोध्या में मॉडल रेलवे स्टेशन के लिए फोरलेन सड़क का निर्माण भी किया जाएगा इसके लिए पहले ही कोयला साइडिंग को अयोध्या से हस्तांतरित किया जा चुका है डीआरएम एस के सापरा के मुताबिक रेलवे स्टेशन से टेढ़ी बाजार मुख्य मार्ग तक सड़क निर्माण के लिए राज्य सरकार से 17500 वर्ग मीटर नजूल भूमि को लिए जाने को लेकर बातचीत चल रही है तो वहीं स्टेशन के मुख्य गेट के लिए भूमि अधिग्रहित किए जाने का कार्य भी जल्द प्रारंभ होगा इस पर भी प्रदेश सरकार की अनुमति होगी।

एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि-मंडल की अगुवाई करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

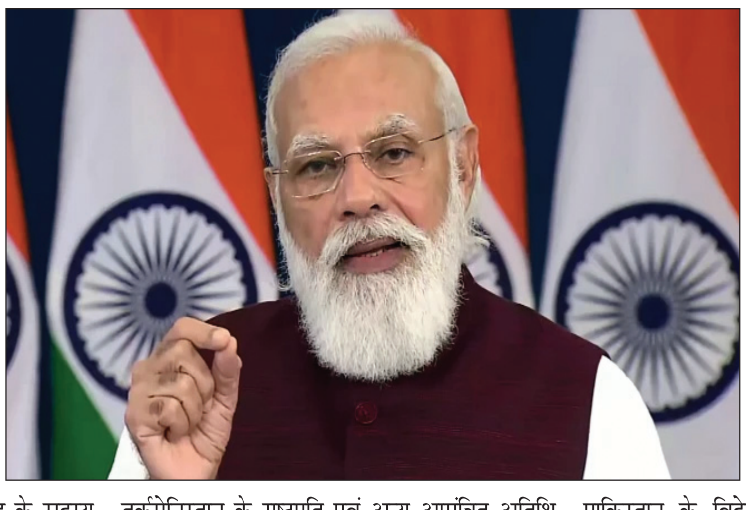

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में 17 सितंबर को होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वार्षिक शिखर बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का डिजिटल माध्यम से नेतृत्व करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ बैठकों के लिए दुशांबे जाएंगे। एससीओ की बैठकों में अफगान संकट, इसके आंतरिक और बाहरी असर पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह बताया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''एससीओ परिषद के सदस्य देशों के प्रमुखों की 21वीं बैठक हाइब्रिड प्रारूप में दुशांबे में 17 सितंबर को होगी।

ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और वीडियो लिंक के जरिए शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे। दुशांबे में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे।'' मंत्रालय के अनुसार, एससीओ की शिखर बैठक में सदस्य देशों के नेताओं के अलावा पर्यवेक्षक देश, संगठन के महासचिव, एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक ढांचा के कार्यकारी निदेशक, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति एवं अन्य आमंत्रित अतिथि शामिल होंगे।

दुशांबे में जयशंकर एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की अफगानिस्तान पर एक बैठक में शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि पहली बार एससीओ की शिखर बैठक हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की जा रही है और यह चौथी शिखर बैठक है जिसमें भारत एससीओ के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में हिस्सा ले रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''इस बैठक का महत्व इसलिये भी बढ़ जाता है क्योंकि संगठन इस वर्ष अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस शिखर बैठक में नेताओं द्वारा पिछले दो दशकों में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करने और भविष्य में सहयोग की संभावना पर चर्चा किये जाने की उम्मीद है।'' उसने बताया कि बैठक में क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा किये जाने की उम्मीद है।

जयशंकर के दुशांबे में ईरान और ताजिकिस्तान समेत अन्य देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव, ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियान और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के एससीओ बैठकों के लिए दुशांबे आने की संभावना है। इस महीने के शुरु में जयशंकर ने ईरान में नव नियुक्त विदेश मंत्री से बात की थी तथा द्विपक्षीय मुद्दों के साथ अफगानिस्तान में स्थिति पर भी चर्चा की थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में एससीओ के स्थायी सदस्य बने थे। एससीओ की स्थापना रूस, चीन, किर्गिजस्तान, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने 2001 में शंघाई में एक सम्मेलन में की थी। भारत ने एससीओ के साथ सुरक्षा संबंधी सहयोग और उसके क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी ढांचे को बढ़ाने में खासी दिलचस्पी दिखायी है।

सोनू सूद से जुड़े छह परिसरों में आयकर विभाग का सर्वे, हाल में ही केजरीवाल सरकार ने बनाया था ब्रांड अंबेसडर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना संकट काल में गरीबों के मसीहा के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके अभिनेता सोनू सूद की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल सोनू सूद के मुंबई के मौजूदा छह परिसरों में आयकर विभाग के अधिकारी सर्वे कर रहे हैं। इनकम विभाग के पहुंचने के साथ ही सोनू सूद के दफ्तर और आसपास में हड़कंप मच गया। फिलहाल आयकर विभाग के अधिकारी लगातार जांच कर रहे हैं।

आपको बता दें कि हाल में ही सोनू सूद ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार द्वारा शुरू किए गए 'देश का मेंटर' कार्यक्रम का ब्रांड अंबेसडर बने थे। इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को उनकी पसंद का करियर चुनने के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। केजरीवाल और सूद के बीच मुलाकात के बाद यह घोषणा की गई। इस दौरान दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और आप नेता राघव चड्ढा भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के तहत दिल्ली के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को उनकी पसंद का करियर चुनने और उन्हें उनकी प्रतिभाओं से वाकिफ कराने में मदद की जाएगी। बच्चों को उनके करियर से संबंधित सवालों के जवाब उन 'मेंटर' (परामर्शदाता)के माध्यम से मिलेंगे, जिन्हें कार्यक्रम के तहत चुना जाएगा। हालांकि पहले सूद के आप में भी शामिल होने की खबर थी।

देश में बलात्कार के प्रतिदिन औसतन 77 मामले दर्ज, नंबर 1 पर है राजस्थान

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अगर मैं आपसे कहूं कि देश में प्रतिदिन 77 बलात्कार के मामले दर्ज किए जाते हैं तो आप चौंकेगे क्या? आप चौंकेगे जब मैं आपको बताऊं कि रेप के मामलों में राजस्थान पहले स्थान पर है। आप चौंकेगे जब मैं ये कहूं कि पिछले साल पूरे देश में महिलाओं के विरूद्ध अपराध के कुल 3,71,503 मामले दर्ज किए गए। ये सारे आंकड़े राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एमसीआरबी की तरफ से जारी किए गए हैं। जिसमें बताया गया है कि पूरे देश में 2020 में बलात्कार के प्रतिदिन औसतन करीब 77 मामले दर्ज किए गए। जबकि देश में ऐसे सबसे अधिक मामले राजस्थान में और दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए।

राजस्थान में दर्ज हुए 5310 मामले

साल 2020 में देश भर में बलात्कार के कुल 28046 मामले दर्ज किए गए, जिसमें से अकेले राजस्थान में कुल 5,310 मामले दर्ज हुए। जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद उत्तर प्रदेश में बलात्कार के 2,769 मामले दर्ज हुए। इन दोनों राज्यों के बाद मध्य प्रदेश 2,339 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर और महाराष्ट्र 2,061 मामलों के साथ चौथे स्थान पर रहा।

अन्य राज्यों का क्या है हाल

एनसीआरबी ने कहा कि पिछले साल पूरे देश में महिलाओं के विरूद्ध अपराध के कुल 3,71,503 मामले दर्ज किए गए जो 2019 में 4,05,326 थे और 2018 में 3,78,236 थे। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, 2020 में महिलाओं के विरूद्ध अपराध के मामलों में से 28,046 बलात्कार की घटनाएं थी जिनमें 28,153 पीड़िताएं हैं। पिछले साल कोविड-19 के कारण लॉकडाउन लगाया गया था। उसने बताया कि कुल पीड़िताओं में से 25,498 वयस्क और 2,655 नाबालिग हैं। एनसीआरबी के गत वर्षों के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में बलात्कार के 32,033, 2018 में 33,356, 2017 में 32,559 और 2016 में 38,947 मामले थे। पिछले साल बलात्कार के सबसे ज्यादा 5,310 मामले राजस्थान में दर्ज किए गए। इसके बाद 2,769 मामले उत्तर प्रदेश में, 2,339 मामले मध्य प्रदेश में, 2,061 मामले महाराष्ट्र में और 1,657 मामले असम में दर्ज किए गए

मैं बाकी विचारधाराओं के साथ कोई ना कोई समझौता कर सकता हूं पर आरएसएस और बीजेपी के साथ कभी नहीं: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज दिल्ली में एक बार फिर से भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं बाकी विचारधारों के साथ कोई न कोई समझौता कर सकता हूं, मगर मैं आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा के साथ कभी समझौता नहीं कर सकता।

राहुल गांधी कहा कि वो(भाजपा) अपने आप को हिन्दू पार्टी कहते हैं और पूरे देश में लक्ष्मी और दुर्गा पर आक्रमण करते हैं। जहां ये जाते हैं, कहीं लक्ष्मी को मारते हैं, कहीं दुर्गा को मारते हैं। ?ये हिन्दू धर्म का प्रयोग करते हैं, ये धर्म की दलाली करते हैं। मगर ये हिन्दू नहीं हैं। इस अवसर पर वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के नए प्रतीक चिन्ह और नए झंडे का भी अनावरण किया। इससे पहले अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने ट्वीट कर राहुल गांधी और महिला कांग्रेस का नया लोगो पोस्ट किया था।

यूपी में यों सारे भाईजान हुए परेशान? पहले अबाजान, फिर चाचाजान और अब आ गईं अमीजान

श्रीनगर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के चुनावी माहौल में पूरा खानदान और कुनबा जुट गया है। पहले अब्बाजान का शोर और अब चाचाजान की एंट्री हो गई। अब इसमें अम्मीजान की भी एंट्री हो गई। योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव पर तंज कसने के लिए उनके पिता मुलायम सिंह यादव को 'अब्बाजान' कह कर निशाना साधा। राकेश टिकैत ने ओवैसी को बीजेपी का चाचाजान कहा तो आप ने घुमा-फिरा कर अम्मीजान की एंट्री का जिक्र कर दिया।

सबसे पहले आए अब्बाजान

दलों खासकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर बिना नाम लिए तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राम भक्तों पर गोली चलाने वाली तालिबान समर्थक जातिवादी-वंशवादी मानसिकता को प्रदेश की जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख का नाम लिए बिना उन्होंने आरोप लगाया, 'अब्बाजान कहने वाले गरीबों की नौकरी पर डाका डालते थे। पूरा परिवार झोला लेकर वसूली के लिए निकल पड़ता था। अब्बाजान कहने वाले राशन हजम कर जाते थे। राशन नेपाल और बांग्लादेश पहुंच जाता था। आज जो गरीबों का राशन निगलेगा वह जेल चला जाएगा।

उन्होंने कहा है कि एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी बीजेपी के चाचाजान हैं। बागपत में रैली के दौरान टिकैत ने ओवैसी और बीजेपी के बीच सांठगांठ का आरोप लगाते हुए ओवैसी को बीजेपी का चाचाजान बताया। टिकैत ने कहा कि ओवैसी बीजेपी को गाली देते हैं, फिर भी उनके खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं होता है, क्योंकि ये दोनों एक ही टीम हैं। राकेश टिकैत ने एआईएमआईएम चीफ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये बहरूपिया है, कभी तिरछी टोपी पहनेंगे कभी सीधी टोपी पहनेंगे। टिकैत ने कहा कि बीजेपी का चाचाजान उत्तर प्रदेश में आ चुका है और हैं। टिकैत ने कहा कि बीजेपी का चाचाजान उत्तर प्रदेश में आ चुके हैं। उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए।

आप ने कराई अम्मीजान की एंट्री

मनीष सिसोदिया ने कहा कि उनकी राजनीति इसी पर टिकी है। लोगों को लड़ाते रहो। कभी अब्बाजान की बात कर लो, कभी ओवैसी की बात कर लो। मुझे लगा कि आ गया चुनाव अब चुनाव में सबको अब्बाजान भी याद आएंगे और अम्मीजान भी याद आएंगी।

सारे भाईजान परेशान

यूपी सरकार के मंत्री मोहसिन रजा ने कहा अब्बाजान साफ कर रहे हैं न चाचाजान साफ कर रहे हैं। इस लैला मजनू के खेल में भाईजान परेशान हैं।

मुस्लिम-जाट समीकरण बनाने की कोशिश: एक जमाना था कि जब जाट-मुस्लिम समीकरण के सहारे यूपी में कई नेताओं की दुकानें चलती थी। लेकिन साल 2013 के मुजफ्फरनगर के दंगों के बाद दोनों समुदायों के बीच आई तल्खी से ये समीकरण बिखड़ गया। जिसके बाद बीजेपी को इसका सीधा फायदा 2014 के लोकसभा चुनाव में मिला और उसके बाद से ही जाट बीजेपी का कोर वोटबैंक बन गया। वहीं मुस्लिम सपा और

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

भवानीपुर उपचुनाव: भाजपा उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल को नोटिस

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर ने भाजपा उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल को नोटिस भेजकर जवाब देने को कहा है कि उनकी आगे की रैलियों की अनुमति क्यों नहीं रोकी जानी चाहिए। टिबरेवाल को आज शाम 5 बजे तक जवाब दाखिल करना है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में हाई प्रोफाइल विधानसभा सीट भवानीपुर में उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी प्रियंका टिबरेवाल ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया था। प्रियंका टिबरेवाल ने कोलकाता के अलिपोर में अपना नामांकन किया। इस दौरान भाजपा नेता और विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी भी मौजूद रहे। प्रियंका टिबरेवाल का मुकाबला राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख` ममता बनर्जी से होगा। ममता बनर्जी दो दिन पहले ही भवानीपुर सीट के लिए नामांकन दाखिल कर चुकी हैं। ममता बनर्जी ने कोलकाता में ही नामांकन दाखिल किया था। विधानसभा चुनाव में ममता नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ी थीं, लेकिन उन्हें भाजपा के सुवेंदु अधिकारी ने हरा दिया था। बंगाल का सीएम बने रहने के लिए ममता को भवानीपुर से चुनाव जीतना जरूरी है। बता दें कि बीते रविवार से प्रियंका टिबरेवाल ने अपना प्रचार शुरू कर दिया। इससे पहले शनिवार को प्रियंका ने कोलकाता के कालीघाट मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। कालीघाट मंदिर में पूजा अर्चना के बाद प्रियंका ने चुनाव बाद हुई हिंसा को लेकर ममता बनर्जी पर तंज कसा था। प्रियंका ने कहा कि उन्होंने राज्य में हो रहे अन्याय के खिलाफ लोगों की सुरक्षा के लिए देवी काली से प्रार्थना की। प्रियंका ने कहा कि उनकी लड़ाई सत्ता में मौजूद उस पार्टी के खिलाफ है, जिसने जनता के खिलाफ अन्याय और हिंसा को बढ़ावा दिया है।

ऑटो-टेलीकॉम सेक्टर के लिए
सरकार ने खोला खजाना
ऑटो सेक्टर के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोना की मार झेल रही ऑटो इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, केंद्र सरकार की कैबिनेट ने ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम को मंजूरी दी है। इस स्कीम में ऑटो कंपोनेंट और ड्रोन सेक्टर भी शामिल हैं। ये स्कीम पांच साल के लिए लागू रहेगी। इससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, आयात में भी कमी आने की उम्मीद है। ऑटो सेक्टर को कितने रुपये मिलेंगे: कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑटो सेक्टर के लिए 25,938 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन, हाइड्रोजन फ्यूल व्हीकल उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, 7.60 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इस स्कीम के आने से विदेश से आयात में गिरावट होगी। ऑटो कंपोनेंट मेक इन इंडिया के तहत देश में बनाए जा सकेंगे। अनुराग ठाकुर ने बताया कि चयनित चैंपियन ऑटो कंपनियों को कम से कम 2 हजार

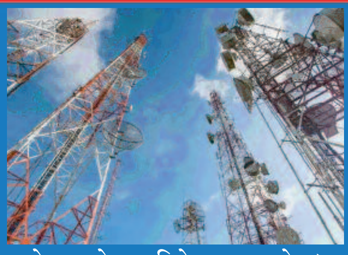

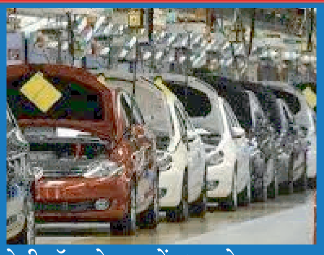

करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। वहीं, नए निवेशकों को 500 करोड़ रुपये का निवेश करना जरूरी है। टेलीकॉम को क्या मिला: टेलीकॉम सेक्टर के लिए भी राहत पैकेज देने की बात कही गई है। टेलीकॉम मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने बताया कि टेलीकॉम सेक्टर में 9 बड़े स्ट्रक्चरल रिफॉर्म हुए हैं। समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाये के परिभाषा में बदलाव किया जाएगा। एजीआर से जूझ रहे टेलीकॉम सेक्टर के लिए ये बड़ी खबर है। इसकी मांग टेलीकॉम कंपनियां भी कर रही थीं। टेलीकॉम कंपनियों को मंथली इंटरेस्ट रेट को अब एनुअल कर दिया गया है। इसके अलावा पेनल्टी पर भी राहत दी गई है। स्पेक्ट्रम की अवधि भी अब 20 साल से बढ़ा कर 30 साल कर दिया गया है। टेलीकॉम ऑपरेटर्स बकाये को लेकर मोरेटोरियम ले सकेंगे। ये 4 साल तक के लिए दिया गया है। जो टेलीकॉम ऑपरेटर ये विकल्प चुनते हैं उन्हें सरकार को ब्याज भी देना होगा। बता दें कि एजीआर बकाये की वजह से वोडाफोन आइडिया और एयरटेल पर वित्तीय बोझ बढ़ा है। राहत की इस खबर के बीच एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के शेयर में बड़ी तेजी देखने को मिली है।

नवजोत सिद्धू की प्रेस कांफ्रेंस:

कृषि कानूनों के लिए अकाली दल को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिद्धू ने बुधवार को चंडीगढ़ में प्रेस कांफ्रेंस की और कृषि कानूनों के लिए सीधे तौर पर अकाली दल को जिम्मेदार ठहराया। सिद्धू ने कहा कि जिस समय कृषि कानून बनाए गए थे, उस समय अकाली दल एनडीए का हिस्सा था। सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस ही एमएसपी, मंडी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट और सार्वजनिक वितरण प्रणाली लाई थी। उन्होंने आरोप लगाय कि जिस सर्व दलीय बैठक में कृषि कानूनों पर प्रस्ताव पास हुआ था, उससे सुखबीर बादल ने नाम वापस ले लिया था। लेकिन मीटिंग के मिनट्स के अनुसार, उन्होंने अध्यादेशों को समर्थन किया था और इसे किसान समर्थक बताया था। नवजोत सिंह सिद्धू ने केंद्र सरकार द्वारा फसल खरीद के लिए फर्द को अनिवार्य किए जाने पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ऐसे नियम थोपकर एक देश-दो बाजार का सिस्टम लागू कर रही है। अपने ट्वीटर हैंडल से मंगलवार को सिद्धू ने दो ट्वीट किए और यह मुद्दा उठाते हुए लिखा कि खरीद से पहले एफएआरडी की अनिवार्य मांग के संबंध में केंद्र सरकार के आदेश पंजाब के सामाजिक आर्थिक ताने-बाने के खिलाफ हैं । जानबूझकर एक राष्ट्र, दो बाजार बनाना क्योंकि ये आदेश केवल एपीएमसी मंडियों के लिए मान्य हैं जहां खरीद एमएसपी पर होती है न कि निजी मंडियों के लिए। इससे पहले सिद्धू ने ट्वीट किया कि पंजाब की एक तिहाई भूमि पर पट्टे पर खेती की जाती है, जिनमें से कई मौखिक अनुबंध हैं, सांझा मुश्तरखा खाता के कारण - हमारे राज्य के कई हिस्सों में कोई स्पष्ट भूमि स्वामित्व रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है, कई भूमि मालिक विदेशों में रह रहे हैं और बहुत सारे भूमि रिकॉर्ड कानूनी विवादों के अधीन हैं। सिद्धू ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का मंसूबा पंजाब के एपीएमसी सिस्टम को बर्बाद करना है। उन्होंने केंद्र के नेशनल सैंपल सर्वे 2012-13 का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि देश में 24 फीसदी खेती ठेके पर होती है। यह ठेके अलिखित और मुंह-जुबानी हैं, इनका कोई लिखित रिकार्ड नहीं होता।

तालिबान और तेहरान के बीच संबंधों में सुधार, ईरान ने काबुल के लिए शुरू की हवाई सेवा

नई दिल्ली। ईरान और अफगानिस्तान के बीच हवाई सेवा फिर से शुरू हो गई है। यह जानकारी ईरानी सरकारी मीडिया ने दी है। तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद से करीब एक महीने तक दोनों देशों के बीच हवाई सेवा बंद थी। रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी महान एयर का विमान 15 सितंबर को मशहद शहर से 19 यात्रियों को लेकर अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहुंचा है। बता दें कि इससे पहले 13 सितंबर को एक पाकिस्तानी फ्लाइट भी काबुल पहुंचा था। ईरान व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा और परिवहन समझौते को मजबूत करने को लेकर तालिबान के साथ काम कर रहा है। मौजूदा वक्त में ईरान और अफगानिस्तान के बीच सालाना ट्रेड करीब 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है। बता दें कि ईरान, अफगानिस्तान का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। अफगानिस्तान का 40 फीसद से अधिक तेल ईरान से पहुंचता है। ईरान और तालिबान दोनों ही अमेरिका को अपना दुश्मन मानते हैं। तेहरान के लिए अमेरिका का अफगानिस्तान से जाना एक अमेरिकी विरोधी मोर्चा का बेहतर मौका हो सकता है। एक्सपट्र्स बताते हैं कि ईरान और तालिबान 'दुश्मन का दुश्मन मेरा दोस्त है' वाले राह पर चल रहे हैं।

दिल्ली में इस बार भी नहीं फूटेंगे पटाखे

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में सर्दियों के मौसम में बढ़ते प्रदूषण पर काबू करने के उपायों के तहत इस बार भी इस बार भी दिवाली पर हर तरह के पटाखों के भंडारण, बिक्री एवं उपयोग पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। दिल्ली में हर साल दीपावली के दौरान प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को ट्वीट कर बताया कि पिछले 3 साल से दिवाली के समय दिल्ली के प्रदूषण की खतरनाक स्थिति को देखते हुए पिछले साल की तरह इस बार भी हर प्रकार के पटाखों के भंडारण, बिक्री एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिससे लोगों की जिंदगी बचाई जा सके। दूसरे ट्वीट में केजरीवाल ने कहा कि पिछले साल व्यापारियों द्वारा पटाखों के भंडारण के पश्चात प्रदूषण की गंभीरता को देखत हुए देर से पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था जिससे व्यापारियों को काफी नुकसान हुआ था। सभी व्यापारियों से अपील है कि इस बार पूर्ण प्रतिबंध को देखते हुए किसी भी तरह के पटाखों का भंडारण न करें।

वहीं, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने राजधानी में प्रदूषण पर काबू करने के उपायों पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात का समय मांगा। इस संबंध में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री के सचिव ने केंद्रीय मंत्री के निजी सचिव को एक पत्र लिखा है। केजरीवाल ने सोमवार को कहा था कि वह पूसा बायो-डीकम्पोजर की ऑडिट रिपोर्ट के साथ केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से मुलाकात करेंगे और उनसे किसानों के बीच इसे मुफ्त वितरित करने के लिए दिल्ली के आसपास के राज्यों को निर्देश देने का आग्रह करेंगे। बायो-डीकम्पोजर एक प्रकार का तरल पदार्थ है जो 15-20 दिनों में पराली को खाद में बदल सकता है।

बाढ़ में डूब गए 200 करोड़ से अधिक के आवासीय प्रोजेक्ट
प्लॉट बेचने वाले मुश्किल में

गोरखपुर। फोरलेन के किनारे कमर्शियल विकास और फर्राटा भरती जिंदगी का सपना दिखाकर जमीन बेचने वाले प्रॉपर्टी डीलर अब नजर नहीं आ रहे हैं। गोरखपुर-वाराणसी, सोनौली हाईवे से लेकर कालेसर बाईपास पर करोड़ों के प्रोजेक्ट डूबे हुए हैं। डीलरों के कार्यालयों की इस समय सिर्फ छत ही दिख रही है। कास्तकार से लेकर आम लोगों का करोड़ों रुपये प्रॉपर्टी डीलरों ने डूबा दिया है। तमाम लोग ऐसे हैं जो अपनी जमीन को बेचना चाह रहे हैं। जंगल कौड़िया से कालेसर फोरलेन में बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात एक शिक्षिका ने वर्ष 2017 में 15 डिसमिल जमीन 13 लाख में खरीदी थी। शिक्षिका वर्तमान में जमीन पर बाढ़ का पानी देखकर बेचने का मन बना चुकी हैं। उनके साथ ही कई शिक्षिकाओं ने जमीनें खरीदी थीं। सभी को अपने फैसले पर अफसोस हो रहा है। कालेसर से जंगल कौड़िया के दोनों तरफ 30 से अधिक प्रॉपर्टी डीलर कालोनी विकसित कर रहे हैं। हरा-नीला-पीला झंडा लगाकर कालोनी का नामकरण कर जमीन बेच रहे हैं। प्रॉपर्टी डीलिंग करने वाले धीरू कुमार ने बताया कि कास्तकार से डेढ़ करोड़ में एग्रीमेंट किया था।

जमीन नहीं बिकने से बैंक को भारी ब्याज देना पड़ रहा है। इतना ही नहीं कास्तकारों और प्रॉपर्टी डीलरों में रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद थानों में भी पहुंच रहे हैं। इसी तरह मानीराम से पीपीगंज तक सड़क के दोनों तरफ 25 से अधिक प्रॉपर्टी डीलर अवैध कालोनियां विकसित कर रहे हैं। नयंसर टोल प्लाजा के पास एक प्रॉपर्टी डीलर ने दर्जनों लोगों से 20 से 50 हजार रुपये में एग्रीमेंट कर जमीन रजिस्ट्री का भरोसा दिया। अब पूरा प्रोजेक्ट बाढ़ में डूब गया है तो एग्रीमेंट कराने वाले प्रॉपर्टी डीलर की तलाश कर रहे हैं। पीपीगंज के संजय वर्मा का कहना है कि उन्होंने एग्रीमेंट के तहत पोस्ट डेटेड चेक दिया था। बाढ़ का पानी आने के बाद चेक वापस ले लिया। गोरखपुर-वाराणसी मार्ग पर बाघागाड़ा से लेकर भौआपार के बीच दर्जनों प्रॉपर्टी डीलरों के प्रोजेक्ट अधर में लटक गए हैं। बाघागाड़ा में पिछले मार्च महीने में 12 लाख में पांच डिसमिल जमीन खरीदने वाली मेवाती देवी का कहना है कि बेटी की शादी के लिए निवेश किया था। अब तो मूलधन भी मिलना मुश्किल लग रहा है। इसी तरह सेना में तैनात अशोक यादव ने बैंक से लोन लेकर भौआपार के पास जमीन खरीदी थी। उनके प्लाट पर एक मीटर पानी लगा हुआ है। महायोजना में शामिल गांव में यदि प्लाटिंग हो रही होगी तो उसे रेगुलर करने की कोशिश होगी। कालोनाइजर्स को कालोनी का ले-आऊट स्वीकृत कराने को कहा जाएगा। जिससे यहां आवास बनाना आसान हो। महायोजना में ग्रीन लैंड में कोई कालोनी विकसित होगी तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

पांच बच्चे और नाती-पोते वाले बुजुर्ग ने 12 साल की नाबालिग से किया दुष्कर्म

जालना। महाराष्ट्र में जालना जिले के एक गांव में एक बुजुर्ग ने 12 वर्षीय लड़की से कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। बदनापुर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना मंगलवार की है जिसके बाद 65 वर्षीय आरोपी को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पांच बच्चे और नाती-पोते हैं। उन्होंने बताया कि पीड़िता अपने मामा के घर रहती है और आरोपी भी पड़ोस में ही रहता है। मंगलवार को जब लड़की मुर्गियां चरा रही थी तो आरोपी शख्स ने उसे पकड़ लिया और जबरन उसे अपने घर ले गया। वहां उसने

लड़की के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। इसके बाद आरोपी गांव से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि बाद में लड़की ने घटना के बारे में अपने मामा को बताया और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। पुलिस की एक टीम गांव में गयी और पीड़िता को चिकित्सा जांच के लिए भेजा गया है। आरोपी को देर रात को पकड़ लिया गया और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

गुजरात भाजपा में बढ़ा विवाद : नए मंत्रिमंडल का शपथग्रहण टला, आज हो सकता है

अहमदाबाद। गुजरात में नेतृत्व में बदलाव के बाद आज यानी बुधवार को होने वाला कैबिनेट का विस्तार फिलहाल टाल दिया गया है। सूत्रों की मानें तो कैबिनेट विस्तार करने से पहले पार्टी में अंदरूनी कलह की बातें भी सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बताया जा रहा है कि भूपेंद्र पटेल पूरे मंत्रिमंडल में बदलाव चाहते हैं, जिसे लेकर पार्टी के कई नेता नाखुश बताए जा रहे हैं और इसी वजह से पहले मंत्रियों का शपथग्रहण दोपहर में होना था, जिसे अब कल दोपहर तक के लिए टाल दिया गया है। गुजरात

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि सीएम भूपेश पटेल की नई कैबिनेट कल यानी 16 सितंबर को दोपहर डेढ़ बजे होगी। कार्यक्रम गांधीनगर स्थित राजभवन में होगा। जानकारी के अनुसार भूपेंद्र पटेल के इस फैसले से पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, मौजूदा डिप्टी सीएम नितिन पटेल और मंत्री भूपेंद्र सिंह चुडासमा नाराज बताए जा रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि डिप्टी सीएम नितिन पटेल को केवल मंत्री के रूप में कैबिनेट में शामिल कियो जा सकता है, जिससे पार्टी में आपसी टकराव बढ़ने की संभावना बताई जा रही है। भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 90 फीसदी से अधिक मंत्रियों को हटाने पर विचार किया जा रहा है।

सिर्फ एक या दो मंत्री ऐसे होंगे जिनको दोबारा मंत्री बनाया जाएगा। इसको लेकर अब पार्टी के अंदर ही तनातनी शुरू हो गई है। कई विधायक पूर्व सीएम रूपाणी के घर पहुंच रहे हैं।

दिल्ली: सार्वजनिक मेलों और प्रदर्शनियों के आयोजन की अनुमति मिली, फिलहाल बंद रहेंगे आठवीं तक के स्कूल

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के कारण देशभर के साथ-साथ राजधानी दिल्ली में भी आर्थिक गतिविधियां बाधित हो गई थीं। अब दिल्ली सरकार इन्हें फिर से चरणबद्ध रूप से शुरू कर रही है। इसी के तहत गुरुवार (16 सितंबर) से सरकार ने सार्वजनिक मेलों और प्रदर्शनियों के आयोजन की अनुमति दे दी है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने बुधवार को जारी आदेश में कहा कि 16 सितंबर से दिल्ली में व्यापारिक से लेकर अन्य हर तरह की प्रदर्शनियों की अनुमति दी जाएगी। पिछले आदेश में डीडीएमने ने केवल बिजनेस टू बिजनेस प्रदर्शनी लगाने की अनुमति दी थी, जिसमें सिर्फ व्यापारिक अतिथियों को आने की अनुमति थी। वहीं अब बिजनेस टू कंज्यूमर प्रदर्शनी की भी अनुमति मिल गई है। आदेश में कहा गया है कि इन प्रदर्शनियों का आयोजन बैंक्वेट हॉल में किया जा सकेगा। मालूम हो कि अबतक बैंक्वेट हॉल का प्रयोग विवाह समारोह को छोड़कर किसी अन्य आयोजन के लिए किए जाने की अनुमति नहीं थी। डीडीएमए ने कहा कि प्रदर्शनियों और मेलों को तभी अनुमति मिलेगी जब इनके सभी स्टेकहोल्डर वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानक परिचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करेंगे। हालांकि कक्षा आठवीं तक के स्कूल

फिलहाल बंद ही रहेंगे। वर्तमान में नौवीं और उससे ऊपर की कक्षा के छात्रों के लिए स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्थान, कोचिंग इंस्टीट्यूट, स्किल डेवलपमेंट और प्रशिक्षण संस्थान और लाइब्रेरी खुल रहे हैं, लेकिन सिर्फ 50 प्रतिशत सीट क्षमता के साथ ही। दिल्ली मेट्रो में 100 प्रतिशत सीट क्षमता के साथ यात्रियों को यात्रा करने की अनुमति है। खड़े होकर सवारी की इजाजत नहीं है। वहीं, सभी तरह की बसों में भी 100 प्रतिशत सीट क्षमता के साथ यात्रा की अनुमति है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट जैसे ई-रिक्शा (2 यात्री), टैक्सी कैब ग्रामीण सेवा और फट फट सेवा (2 यात्री), मैक्सी कैब (5 यात्री), आरटीवी (11 यात्री) भी चल रहे हैं। इसके अलावा फिलहाल दिल्ली में रेस्त्रां, बार, सिनेमा थियेटर, ऑडिटोरियम, एसेंबली हॉल और मल्टीप्लेक्स 50 प्रतिशत सीट क्षमता के साथ खुल रहे हैं।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com